खबरों एवं विज्ञापन हेतु संपर्क करें
9457222201

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राष्ट्र जगत

राष्ट्र की बुलंद आवाज

संपादक : सौरभ शर्मा

बरेली उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं लखनऊ , दिल्ली , उत्तराखंड , महाराष्ट्र में प्रसारित

वर्ष : 03 अंक :193 पृष्ठ : 08 मूल्य :2 रू

शुक्रवार, 28 अगस्त 2026

RNI NO. : UPHIN/2024/90933

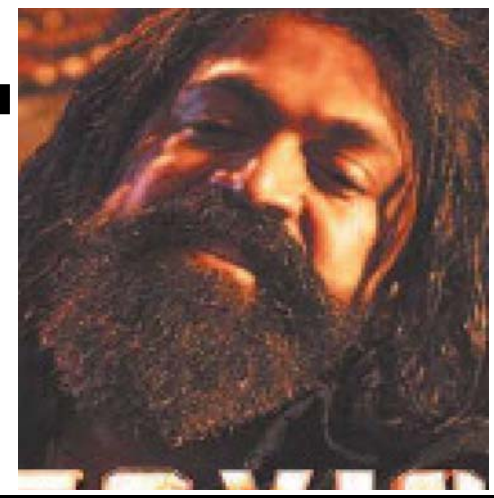

पीएम मोदी ने सार्वजनिक परियोजनाओं की गुणवत्ता पर चिंता जताई

क्या हमें चौथी पार्टी के ऑडिट की जरूरत है', सार्वजनिक परियोजनाओं को लेकर पीएम मोदी की सचिवों को फटकार

नई दिल्ली/एजेंसी

निर्माण और सार्वजनिक प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी से जुड़ी समस्याओं की खबरों पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र के सचिवों और राज्यों के मुख्य सचिवों से यह सवाल पूछा कि क्या अब हमें चौथी पार्टी से ऑडिट कराने की जरूरत है? उन्होंने कहा कि हालांकि काम की क्वालिटी का थर्ड-पार्टी ऑडिट एक आम बात है, लेकिन हो सकता है कि यह उम्मीद के मुताबिक काम न कर रहा हो। मंगलवार को मासिक प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी ने वरिष्ठ नौकरशाहों से कहा कि ऐसी बातें मंजूर नहीं हैं और सिस्टम इस तरह काम नहीं करेगा।

पीएम मोदी ने की 6 प्रोजेक्ट्स की समीक्षा

प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे, सड़क और बिजली सेक्टर के छह इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। ये प्रोजेक्ट्स नौ राज्यों में फैले हैं और इनकी कुल लागत 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को अलग-अलग हिस्सों या पैकेज के तौर पर देखने के बजाय एक इंटीग्रेटेड सिस्टम के तौर पर देखा और मॉनिटर किया जाना चाहिए।

'काम की रफ्तार और क्वालिटी से न हो कोई समझौता'

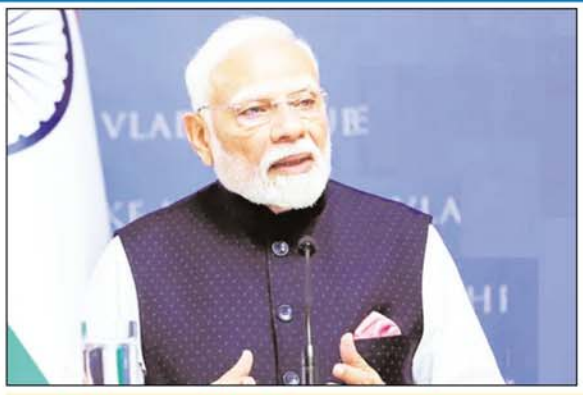

परियोजनाओं के क्रियान्वयन के हर स्तर पर अधिक जिम्मेदारी सुनिश्चित करने पर जोर

पीएमओ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "प्रधानमंत्री ने कहा कि काम करने की रफ्तार के साथ-साथ क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने मंत्रालयों, राज्यों और काम को लागू करने वाली एजेंसियों से कहा कि वे आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाएं और हर स्तर पर क्वालिटी की गारंटी और निगरानी को मजबूत करें।"

इसके अलावा, पावर सेक्टर से जुड़े एक प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सिर्फ बिजली का उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं है जब तक कि उसके लिए जरूरी ट्रांसमिशन क्षमता न हो।

प्रधानमंत्री ने मंत्रालयों और राज्य सरकारों में सक्रिय कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन के हर स्तर पर अधिक जिम्मेदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बड़ी परिवहन और अवसंरचना परियोजनाओं की योजना बनाते समय जहां संभव हो, वहां विभिन्न सेवाओं के लिए साझा गलियारे विकसित करने पर विचार किया जाना चाहिए।

एआई सहित नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर

प्रधानमंत्री ने डिजिटल कृषि मिशन के तहत एग्रीस्टैक की समीक्षा करते हुए कृषि संबंधी आंकड़ों का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) सहित नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर दिया। कहा कि कृषि से जुड़े आंकड़ों का उपयोग बीज, खाद और अन्य जरूरतों की योजना बनाने से लेकर कृषि उपज के प्रसंस्करण तक पूरी प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। मंत्रालयों, राज्यों और काम को लागू करने वाली एजेंसियों से कहा कि वे आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाएं और हर स्तर पर क्वालिटी की गारंटी और निगरानी को मजबूत करें।" पावर सेक्टर से जुड़े एक प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सिर्फ बिजली का उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं है।

प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर

प्रधानमंत्री ने डिजिटल कृषि मिशन के तहत एग्रीस्टैक की समीक्षा करते हुए कृषि संबंधी आंकड़ों का अधिक प्रभावी उपयोग करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) सहित नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर दिया। कहा कि कृषि से जुड़े आंकड़ों का उपयोग बीज, खाद और अन्य जरूरतों की योजना बनाने से लेकर कृषि उपज के प्रसंस्करण तक पूरी प्रक्रिया में प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने की प्रगति बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ राज्यों में फैली 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली छह प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की मंगलवार को समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाओं में देरी न केवल लागत बढ़ाती है बल्कि लोगों, उद्योगों और अर्थव्यवस्था को समय पर मिलने वाले लाभों से भी वंचित कर देती है। उन्होंने ह्यप्रगतिह्न की 53वीं बैठक की अध्यक्षता की।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आइसीटी) आधारित बहु माध्यम मंच प्रगति को केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को एकीकृत कर सक्रिय शासन और समयबद्ध क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। डिजिटल अरेस्ट के मामलों की भी समीक्षा की। कहा कि प्रशिक्षण, जागरूकता और शिक्षा पर लगातार ध्यान देकर ऐसे अपराधों की रोकथाम के प्रयासों को और मजबूत किया जाना चाहिए। आम तौर-तरीकों, खतरे के संकेतों और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल के बारे में जानकारी देने के लिए निरंतर, लक्षित जन-जागरूकता अभियान चलाए

धोखाधड़ी के नए तौर-तरीकों की जल्द पहचान कर समय पर कार्रवाई की जा सके

संबंधित कर्मियों के नियमित क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया जिससे साइबर धोखाधड़ी के नए तौर-तरीकों की जल्द पहचान कर समय पर कार्रवाई की जा सके।

पीएम मोदी ने बाद में एक्स पर कहा कि नौ राज्यों में रेलवे, सड़क और बिजली क्षेत्रों से जुड़ी 30 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आज की 'प्रगति' बैठक में समीक्षा की गई। हमारा ध्यान बेहतर संपर्क, तेज विकास, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और कम देरी पर है। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना परियोजनाओं को अलग-अलग खंड, हिस्से या पैकेज के रूप में देखने के बजाय समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। इसी तरह उनकी निगरानी की जानी चाहिए। अलग-अलग पैकेज में हुई प्रगति का अंतिम परिणाम पूरी परियोजना को समय पर पूरा करने और उसे चालू करने के रूप में सामने आना चाहिए। ऐसी महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने को कहा गया जो पूरी परियोजना को क्रियान्वित करने तथा उसके लाभ लोगों तक पहुंचाने में देरी का कारण बन सकती हैं।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, 17 मौतें, 105 भारतीय लापता

काठमांडू/एजेंसी

तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी इलाके में कई घरों को नुकसान पहुंचा है।

बाढ़ की चपेट में रसुवा का एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट भी आ गया और वह बह गया। न्यूज एजेंसी अढ के मुताबिक, अब तक 17 लोगों की मौत की खबर है। बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक, 384 लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 291 विदेशी पर्यटक हैं जिसमें 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। लापता भारतीयों में ज्यादातर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे। 26 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में अचानक बहुत तेज पानी आया। पानी तिब्बत की तरफ से आया और कुछ ही समय में घर, सड़क, पुल और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बहा ले गया। उस समय रसुवा में ऐसी भारी स्थानीय बारिश की सूचना नहीं थी, इसलिए सामान्य बारिश से आई बाढ़ की संभावना कम मानी जा रही है।

सवाल: कैसे हुआ?

शुरूआती वैज्ञानिक आकलन के मुताबिक, बर्फ और चट्टान का बड़ा हिस्सा पहाड़ से गिरकर ल्हेंदे नदी के रास्ते में आ गया। इससे पानी कुछ समय के लिए रुक गया। फिर यह प्राकृतिक रुकावट टूटी और जमा पानी अचानक नीचे की ओर आया। इससे फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति बनी। ग्लेशियल झील फटने की आशंका की भी जांच की जा रही है, लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ऊंचे हिमालय में ग्लेशियर अपने साथ पत्थर, चट्टान, बजरी और मिट्टी नीचे लाकर जमा करते हैं। यह कोई मजबूत कंक्रीट जैसा बांध नहीं होता। ऐसी प्राकृतिक रुकावट टूटने पर पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा और पत्थर भी नीचे आता है।

मानसून में 'स्वाइन फ्लू' की दस्तक: आईएमए ने एडवाइजरी जारी कर किया अलर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय चिकित्सा संघ ने बुधवार को मानसून के दौरान इन्फ्लुएंजा ए यानी स्वाइन फ्लू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी को लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह जारी की। क्टअ ने लोगों से एंटीबायोटिक और एंटीवायरल दवाओं का खुद से सेवन न करने की अपील की है। साथ ही, गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय मदद लेने की सलाह दी है। **IMA** ने बताया कि भारत में इस समय H1N1 के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी देखी जा रही है। दिल्ली जैसे महानगरों में 1,770 से अधिक लैब से पुष्टि किए गए मामले सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में भी **H1N1** संक्रमण के मामले सामने आए हैं।

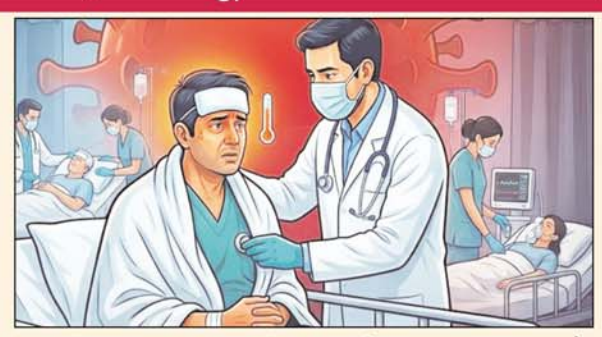

सलाह में कहा गया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद निगरानी से पुष्टि हुई है कि फिलहाल देश में फैल रहा वायरस मौसमी इन्फ्लुएंजा ए ही है। वायरस में किसी नए आनुवंशिक बदलाव या म्यूटेशन का पता नहीं चला है। भारत में मानसून के दौरान इन्फ्लुएंजा ए यानी स्वाइन फ्लू के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी हो रही है।

संगठन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए स्पष्ट किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

ज्यादातर संक्रमण हल्के और अपने आप ठीक होने वाले

चिकित्सकीय संस्था के मुताबिक, **H1N1** से होने वाले ज्यादातर संक्रमण हल्के होते हैं और समय के साथ अपने आप ठीक हो जाते हैं। हालांकि, कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लक्षणों पर नजर रखना जरूरी है।

तेज बुखार से लेकर बदन दर्द तक, ये हैं प्रमुख लक्षण

क्टअ के अनुसार **H1N1** में आमतौर पर अचानक तेज बुखार और ठंड लगना, लगातार सूखी खांसी, गले में खराश, मांसपेशियों में तेज दर्द और अत्यधिक थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

इसके अलावा सिरदर्द,

नाक बहना या नाक बंद होना भी इसके सामान्य लक्षण हैं। बच्चों में मतली, उल्टी या दस्त की शिकायत अपेक्षाकृत अधिक देखी जा सकती है।

वायरल संक्रमण में एंटीबायोटिक का सेवन नुकसानदेह

IMA ने साफ किया कि इन्फ्लुएंजा ए (**H1N1**) एक वायरल बीमारी है और एंटीबायोटिक वायरस को खत्म नहीं करते।

IMA ने लोगों को आगाह करते हुए कहा,'फ्लू के लक्षण होने पर एजिथ्रोमाइसिन, एमोक्सिसिलिन-क्लैवुलैनेट, सेफिक्सिम या किसी अन्य एंटीबायोटिक का सेवन न करें।' संस्था के मुताबिक, वायरल संक्रमण के दौरान बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेने से शरीर में मौजूद लाभकारी माइक्रोबायोम प्रभावित हो सकता है और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (अटफ) की गंभीर

डीआरडीओ के स्वदेशी पैराशूट ने रचा इतिहास: जहां सांस लेना भी चुनौती

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों की पैराशूट क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ की आगरा स्थित एडीआरडीई द्वारा डिजाइन और विकसित मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (एमसीपीएस) का दुनिया के सबसे ऊंचे ड्रॉप जोन में शामिल न्योमा के मुध ड्रॉप जोन में सफल परीक्षण किया गया।

22,000 फीट की ऊंचाई से लगाई छलांग

इस परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के प्रशिक्षित परीक्षण जम्परों ने करीब 22,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। यही नहीं, इस ऊंचाई पर तापमान करीब माइनस 15 डिग्री सेल्सियस था। इतनी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पैराशूट प्रणाली और उससे जुड़े सभी स्वदेशी उप-तंत्रों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया।

चार परीक्षण जम्परों ने लिया हिस्सा

परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के मुख्य परीक्षण जम्पर विंग कमांडर राहुल झा, एमडब्ल्यूओ आर. जे. सिंह, वीएम (जी) और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने 22,000 फीट की ऊंचाई से यह छलांग लगाई।

20,000 फीट पर खुला पैराशूट

डीआरडीओ के अनुसार, छलांग के दौरान एमसीपीएस को 20,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक खोला गया। इसके बाद परीक्षण जम्परों ने नियंत्रित तरीके से नीचे उतरते हुए 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित लैंडिंग की।

पैराशूट के साथ स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल

परीक्षण की खास बात यह रही कि यहां केवल पैराशूट ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया।

राजस्थान हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को तुरंत हटाइए', जज ने लिखी सूर्यकांत को चिट्ठी

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को कई पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तुरंत पद से हटाने की मांग की है। जस्टिस संदीप मेहता ने चीफ जस्टिस को पहले 2 अगस्त को, फिर 10 अगस्त को और इसके बाद 17 अगस्त को पत्र लिखा। अपनी सभी चिट्ठी में जस्टिस मेहता ने उखकसे बार-बार यही अपील की कि राजस्थान हाई कोर्ट में किसी दूसरे हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश को नियुक्त किया जाए।

'राजस्थान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को तुरंत हटाइए'

जस्टिस मेहता ने अपने सबसे पहले पत्र में कड़ी टिप्पणी करते हुए लिखा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें जस्टिस शर्मा ने एक्टिंग चीफ जस्टिस के तौर पर अपनी शक्तियों का इस्तेमाल इस तरह से किया, जो संस्थान के प्रमुख के पद के लिए शोभा नहीं देता।'

जस्टिस मेहता ने आगे लिखा, 'मुझे जस्टिस एस.पी. शर्मा के न्यायिक कामकाज के बारे में कई शिकायतें मिली हैं, जो पहली नजर में उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करती हैं।'

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरूआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है।

भारत जल्द नेपाल भेजेगा राहत सामग्री, बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद की तैयारी

नई दिल्ली। नेपाल में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न हालात के बीच भारत सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रही है। इस बीच नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए हैं। भारतीय नागरिक +977 985 131 6807 और +977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल के तिब्बत सीमा के पास स्थित रसुवा जिले में बुधवार को भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तिब्बती क्षेत्र की ओर ग्लेशियर में अचानक पानी बढ़ने या हिमस्खलन को इस बाढ़ की संभावित वजह माना जा रहा है।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे। सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो

खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे! कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

संपादकीय

नकली दवाओं का देशव्यापी जानलेवा जाल, कब और कैसे रूकेगा?

देशभर में कुकुरमुत्ते की तरह फैल रहा नकली और मिलावटी दवाओं का अवैध कारोबार अब महज एक सामान्य आर्थिक या संगठित अपराध नहीं रह गया है। यह सीधे तौर पर भारतीय नागरिकों के बुनियादी संवैधानिक अधिकारों, विशेषकर जीवन के अधिकार पर सबसे क्रूर और अमानवीय प्रहार बन चुका है। बीमारियाँ जब इंसान को घेरती हैं, तो वह पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास के साथ अपनी गाढ़ी कमाई लेकर मेडिकल स्टोर की तरफ दौड़ता है। उसे यह भ्रम होता है कि डॉक्टर के पर्चे पर लिखी गोलियां या इंजेक्शन उसके या उसके प्रियजनों के जीवन की रक्षा करेंगे। परंतु, मुनाफे की अंधी हवस में डूबे सफेदपोश अपराधियों ने आज उस पवित्र भरोसे को मौत के जाल में तब्दील कर दिया है। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों और विशेष रूप से हरियाणा में सामने आए डरावने मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दवाओं की जालसाजी का यह मकड़जाल हमारी संपूर्ण चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्था की जड़ों को भीतर ही भीतर पूरी तरह खोखला कर चुका है।

हरियाणा के औद्योगिक और आधुनिक केंद्र गुरुग्राम से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किए गए हालिया खुलासे किसी भी संवेदनशील समाज की रूह को कंपा देने के लिए पर्याप्त हैं। गुरुग्राम में उच्च रक्तचाप जैसी आम लेकिन बेहद संवेदनशील बीमारी के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली दवा टेल्मा-एएम की भारी मात्रा में नकली खेप का पकड़ा जाना इस बात का साक्ष्य है कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी दवाएं भी अब सुरक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही, मधुमेह और वजन नियंत्रित करने वाले करीब 70 लाख रुपये के नकली मौनजारो इंजेक्शनों के अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने से हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसियों ने जब इस काले साम्राज्य के धागे टटोले, तो परत-दर-परत जो हकीकत सामने आई, वह व्यवस्था को आईना दिखाने वाली है। इन नकली दवाओं के निर्माण की कड़ियाँ उत्तराखंड के रुड़की में चल रही अवैध और बिना लाइसेंस वाली फैक्ट्रियों से जुड़ी थीं। वहां से यह जानलेवा माल उत्तर प्रदेश के रास्ते दिल्ली के थोक बाजारों में पहुंचता था और बिना किसी जांच-परख या बाधा के हरियाणा के प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के केमिस्ट काउंटरों पर धड़ल्ले से बेचा जा रहा था।

इस भयावहता की पराकाष्ठा केवल रक्तचाप या मधुमेह की दवाओं तक सीमित नहीं है। इसी के समानांतर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और मुंबई तक फैले कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की नकली दवाओं के अंतरराज्यीय रैकेट की हालिया गिरफ्तारियों ने इंसानियत को पूरी तरह शर्मसार कर दिया है। इस सिंडिकेट के अपराधियों द्वारा उन लाचार और अंतिम सांसें गिन रहे कैंसर मरीजों को निशाना बनाया जा रहा था, जिनके परिवार अपनी संपत्ति और गहने बेचकर लाखों रुपये के जीवनरक्षक इंजेक्शन खरीदते हैं। उन इंजेक्शनों में जीवनदायिनी औषधियों के स्थान पर केवल डिस्टिल्ड वॉटर, उबला पानी या ग्लूकोज का घोल भरकर बेचा जा रहा था। जब कोई मरीज ऐसी नकली कीमोथेरेपी दवाओं का सेवन करता है, तो दवा के बेअसर रहने से उसका रोग अनियंत्रित गति से बढ़ता है और अंततः उसकी असामयिक व तड़प-तड़प कर मौत हो जाती है। यह किसी भी लिहाज से केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि ठंडे दिमाग से की गई सामूहिक और संस्थागत हत्या है। इस जघन्य कृत्य में शामिल अपराधियों को हत्यारों की श्रेणी में ही रखा जाना चाहिए।

आखिर ऐसा क्या है कि तमाम दावों और छापों के बावजूद यह धंधा देश भर में फल-फूल रहा है? इस गंभीर संकट के पीछे सबसे बड़ी वजह राज्यों की सीमाओं से परे फैला मल्टी-स्टेट सप्लाई चैन का जटिल और पारदर्शी विहीन होना है।

ऑफलाइन पर पहरा, ऑनलाइन कोचिंग आजाद – क्या कानून काफी है?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

महाराष्ट्र सरकार ने निजी कोचिंग सेंटर्स के लिए महाराष्ट्र प्राइवेट कोचिंग सेंटर्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2026 का मसौदा पेश किया है। नीट पेपर लीक के बाद सरकार को उस शिक्षा-बाजार की याद आई, जहां बच्चे विद्यार्थी कम, परिणाम पैदा करने वाली मशीन अधिक समझे जाते हैं। मसौदे में फीस, पढ़ाई के घंटे, छात्र सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, विज्ञापन और पंजीकरण पर कड़े प्रावधान हैं। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले केंद्रों का पंजीकरण अनिवार्य होगा, 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश नहीं मिलेगा और रोजाना पांच घंटे से अधिक कक्षाएं नहीं चलेंगी। उल्लंघन पर 50 लाख रुपये तक जुमार्ना होगा। कानून का कद बड़ा है; अब देखना है कि उसका हाथ भी उतना ही लंबा है या नहीं।

मसौदे का पहला शिकंजा पंजीकरण है। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले हर कोचिंग केंद्र का पंजीकरण अनिवार्य होगा। पुराने केंद्रों को छह महीने मिलेंगे, पंजीकरण तीन वर्ष के लिए होगा और हर शाखा अलग केंद्र मानी जाएगी। शिक्षक स्नातक होने चाहिए तथा संज्ञेय अपराध में शामिल लोगों की नियुक्ति नहीं होगी। रैंक की गारंटी और भ्रामक विज्ञापनों पर भी रोक होगी। यह जरूरी है, क्योंकि अब तक कई संस्थान बिना जवाबदेही शिक्षा बेच रहे थे। मगर असली सवाल पंजीकरण नहीं, निरीक्षण है। निरीक्षक कम और संस्थान हजारों हुए तो कागजों पर सब ठीक, जमीन पर सब पहले जैसा रह सकता है। कानून की स्याही तभी असरदार है, जब निगरानी की आंख खुली रहे।

रोज पांच घंटे की कोचिंग सीमा राहत देती है। सुबह बहुत जल्दी और रात देर तक कक्षाएं नहीं चलेंगी। साप्ताहिक अवकाश होगा और छुट्टी के अगले दिन टेस्ट नहीं लिया जा सकेगा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग और एप्टीट्यूड टेस्ट अनिवार्य होंगे। यह जरूरी है, क्योंकि प्रतियोगिता ने कई किशोरों को किताब से पहले तनाव पढ़ना सिखा दिया है। लेकिन संस्थान में पांच घंटे बंद हुए तो घर में होमवर्क, ऑनलाइन टेस्ट और निजी ट्यूशन के घंटे बढ़ सकते हैं। दबाव का ठिकाना बदलेगा, दबाव खत्म नहीं होगा। ऑफलाइन सीमा से ऑनलाइन कोचिंग और ऐप-आधारित टेस्ट का प्रभाव और बढ़ सकता है। समस्या कोचिंग के समय की नहीं, उस शिक्षा व्यवस्था की है जिसने सफलता को एक परीक्षा तक सीमित कर दिया है।

फीस पर प्रस्तावित नियम अभिभावकों के लिए बड़ी राहत हैं। कोचिंग केंद्र घोषित फीस से अधिक नहीं ले सकेंगे और बीच में शुल्क नहीं बढ़ा सकेंगे। पढ़ाई छोड़ने पर दस दिन में फीस लौटानी होगी, जिसमें हॉस्टल और मेस की रकम भी शामिल होगी। हर भुगतान की रसीद अनिवार्य होगी। यह उस कारोबार पर रोक है, जहां प्रवेश के समय सपने किस्तों में और बाद में अतिरिक्त शुल्क सामने आता है। खतरा है कि बड़े संस्थान नियमों की दरारें खोज लें, जबकि छोटे संस्थान उतने सक्षम नहीं होंगे। मसौदे पर सुझाव मांगे जा रहे हैं और चार सितंबर तक आपत्तियां भेजी जा सकती हैं। अंतिम कानून में पारदर्शिता के साथ समान प्रवर्तन भी जरूरी है। सुरक्षा प्रावधान सबसे गंभीर हैं। बेसमेंट में कक्षाओं पर रोक होगी। हर विद्यार्थी के लिए कम-से-कम एक वर्गमीटर जगह जरूरी होगी। अग्नि व भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होंगे। सीसीटीवी फुटेज एक महीने सुरक्षित रखना होगा। पानी, अलग शौचालय, प्राथमिक उपचार और पार्किंग जरूरी होंगे। डमी स्कूल मॉडल पर पाबंदी होगी और नियम तोड़ने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द हो सकती है। इन प्रावधानों का महत्व इसलिए है कि हादसे के बाद सुरक्षा का भाषण किसी बच्चे की जान नहीं बचा सकता। मगर पुराने भवनों में अतिरिक्त जगह निकालना आसान नहीं; कई केंद्र बंद हो सकते हैं। इसलिए मानक कठोर हों, पर निरीक्षण निष्पक्ष और व्यावहारिक हो।

महाराष्ट्र के रास्ते पर दूसरे राज्य भी बढ़ रहे हैं। राजस्थान का 2025 का कानून 100 से अधिक विद्यार्थियों वाले केंद्रों पर लागू है।

भारत-अमेरिका दोस्ती की गर्माहट, एच-1बी का झटका: भारतीय प्रतिभा पर 99 लाख का वीजा बम -विश्व मंच पर भारत की निर्णाय कूटनीतिक अग्निपरीक्षा!

भारत-अमेरिका दोस्ती की गर्माहट के बीच एच -1बी वींजा का ठंडा झटका: 99 लाख रुपये का प्रस्ताव, 60 दिन की राहत पर भी संकट -समग्र व्यापक विश्लेषण

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत और अमेरिका के संबंधों की वर्तमान तस्वीर बेहद दिलचस्प और कई स्तरों पर विरोधाभासी दिखाई दे रही है।एक ओर वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक,आर्थिक,रक्षा,तकनीकी और कूटनीतिक साझेदारी लगातार गहरी होती दिखाई दे रही है,वहीं दूसरी ओर ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियां भारतीय पेशेवरों के लिए नई चिंताएं पैदा कर रही हैं।हालिया घटनाक्रम में अमेरिका के भारत में राजदूत और राष्ट्रपति ट्रंप के दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर का श्रीनगर दौरा विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा।19 अगस्त 2026 को कश्मीर यात्रा के दौरान उन्होंने जम्मू- कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और क्षेत्र में सुरक्षा सुधारों का उल्लेख करते हुए अमेरिकी यात्रा चेतावनी को कम करने की संभावना पर भी विचार करने की बात कही। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान ने इस पर औपचारिक आपत्ति जताई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम भारत-अमेरिका संबंधों में उस व्यापक बदलाव का हिस्सा है जिसमें दोनों देश हिंद-प्रशांत, रक्षा सहयोग,आतंकवाद-रोधी सहयोग, सेमीकंडक्टर आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस अंतरिक्ष उन्नत तकनीक और आपूर्ति- श्रृंखला सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ा रहे हैं।अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल में भारत-अमेरिका संबंधों को वैश्विक स्तर पर निर्णायक महत्व का बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंधों को भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बताया। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत तथा आर्थिक सहयोग बढ़ाने की कोशिशें भी जारी हैं।लेकिन इसी सकारात्मक कूटनीतिक वातावरण के बीच अमेरिका की एच -1बी वीजा नीति भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिकी तकनीकी उद्योग दोनों के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग यानी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने 24 अगस्त 2026 को एच-1 बी के वार्षिक कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 99 लाख रुपये के आसपास बैठती है। जो भारत -अमेरिका दोस्ती की गर्माहट के बीच एच -1बी वींजा का सटिकाता से ठंडा झटका हैं। साथियों,जब एक ओर भारत इसी महत्वपूर्ण दौर में एक साथ कई वैश्विक मोर्चों पर अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्थिति मजबूत कर रहा है।विदेशमंत्री ने 23-24 अगस्त 2026 को रूस की यात्रा कर भारत- रूस व्यापार आर्थिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग पर उच्चस्तरीय वार्ता की और 24 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात कर पीएम का संदेश दिया; यह संवाद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी तथा आगामी उच्चस्तरीय संपर्कों की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा।वहीं वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री 24-27 अगस्त को जापान में बड़े कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ निवेश,व्यापार, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल,स्वच्छ ऊर्जा और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के प्रयास में हैं।इसी बीच वित्तमंत्री निर्मला 25 अगस्त- 2 सितंबर तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा पर हैं, जहां निवेश आकर्षित करने,आर्थिक- व्यापारिक संबंध मजबूत करने और वैश्विक वित्तीय मुद्दों पर भारत का पक्ष रखने का उद्देश्य है। ऐसे समय अमेरिका द्वारा नए एच-1बी कैप-सब्जेक्ट आवेदनों पर 1,03,265 डॉलर के प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क ने भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों के लिए नई चिंता पैदा कर दी है। इस प्रकार रूस में रणनीतिक साझेदारी, जापान में व्यापार-विनिवेश और अमेरिका में आर्थिक संवाद,तीनों यात्राएं मिलकर भारत की बहु- आयामी वैश्विक रणनीति को दशार्ती हैं।

साथियों यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना आवश्यक है कि यह राशि कोई सामान्य वीजा आवेदन शुल्क नहीं है जिसे हर भारतीय कर्मचारी अपनी जेब से देगा; यह प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क मुख्यतः नियोक्ता द्वारा एच -1बी पिटीशन दाखिल करते समय भुगतान किया जाना है और इसके ऊपर अन्य लागू शुल्क भी अलग रहेंगे।डीएचएस का प्रस्ताव वार्षिक एच -1बी कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर लागू होगा। वर्तमान व्यवस्था में नियमित श्रेणी के लिए 65,000 और अमेरिकी संस्थान से मास्टर या उससे उच्च डिग्री प्राप्त करने वालों के लिए अतिरिक्त 20,000, यानी कुल 85,000 कैप-सब्जेक्ट स्थान होते हैं।डीएचएस का अनुमान है कि प्रस्तावित शुल्क से लगभग 8.8 अरब डॉलर सालाना राजस्व प्राप्त हो सकता है। विभाग का तर्क है कि यह धन आव्रजन प्रणाली के प्रशासन, जांच- पड़ताल, धोखाधड़ी रोकथाम, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जांच,आव्रजन अदालतों और संबंधित सरकारी व्यवस्थाओं की लागत में उपयोग किया जाएगा। साथियों,भारतीय पेशेवरों के लिए यह प्रस्ताव इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि एच -1बी कार्यक्रम में भारत लंबे समय से सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियों,आईटी सेवाओं,इंजीनियरिंग,वित्त, स्वास्थ्य और अन्य विशेषीकृत क्षेत्रों में बड़ी संख्या

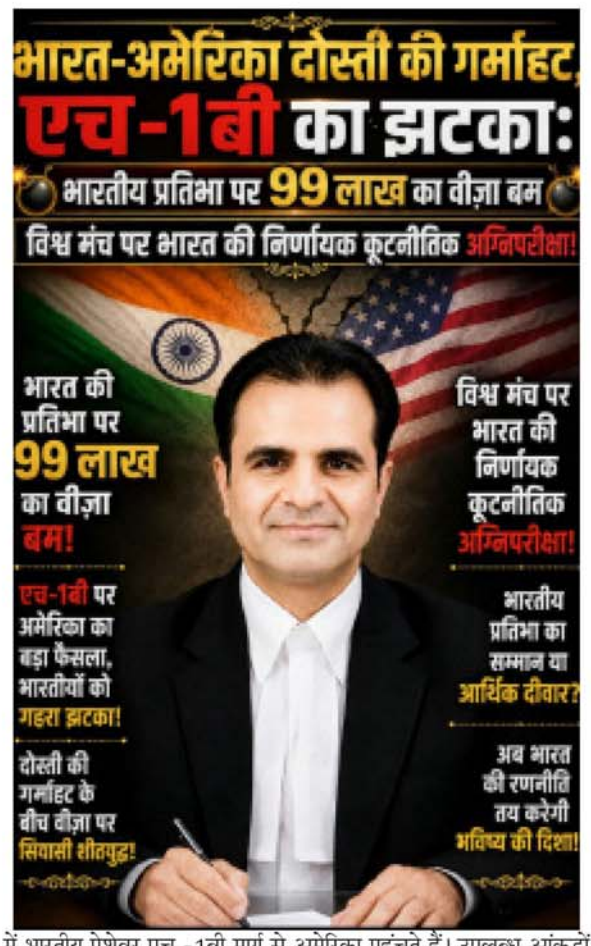

में भारतीय पेशेवर एच -1बी मार्ग से अमेरिका पहुंचते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भारतीय नागरिकों को दिए गए एच -1बी वीजा/अनुमोदनों में उनकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही।इसलिए अमेरिकी कंपनियों के लिए विदेशी प्रतिभाओं को नियुक्त करना यदि अचानक बहुत महंगा हो जाता है, तो इसका असर भारतीय प्रतिभा पर अनुपात से अधिक पड़ सकता है।हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को केवल भारतीयों पर 99 लाख रुपये का वीजा शुल्क कहना तथ्यात्मक रूप से अधूरा होगा। प्रस्तावित 103,265 डॉलर शुल्क नियोक्ता-पक्ष का अतिरिक्त शुल्क है और अभी अंतिम नियम नहीं बना है। प्रस्ताव पर सार्वजनिक टिप्पणियों की प्रक्रिया होनी है तथा उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसलिए फिलहाल भारतीय विद्यार्थियों, कर्मचारियों या कंपनियों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि 99 लाख रुपये का शुल्क आज से लागू हो गया है।

साथियों, फिर भी इसके संभावित आर्थिक प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता।यदि किसी अमेरिकी कंपनी को विदेश से किसी कुशल पेशेवर को नियुक्त करने के लिए एक लाख डॉलर से अधिक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़े, तो वह भर्ती का निर्णय कई बार सोचेगी। यहीं से अमेरिकी फर्स्ट की सोच शुरू होगी कंपनियां संभवतः पहले से अमेरिका में काम करने के अधिकार वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता देंगी, विदेशी उम्मीदवारों की जगह घरेलू प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने का प्रयास करेंगी अथवा अपनी परियोजनाओं को अमेरिका के बजाय भारत जैसे देशों में संचालित करने का विकल्प चुनेंगी। यही कारण है कि इस प्रस्ताव का प्रभाव केवल भारतीय पेशेवरों तक सीमित नहीं रहेगा; इसका असर अमेरिकी कंपनियों की लागत, प्रतिभा- प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी पड़ सकता है।

साथियों, यहीं से भारत के लिए संकट के भीतर अवसर की संभावना भी जन्म लेती है। यदि अमेरिकी कंपनियां विदेशी प्रतिभाओं की भर्ती महंगी होने के कारण अपने कार्यों को भारत में ही संचालित करने लगती हैं,तो भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र,ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, सॉफ्टवेयर विकास, अनुसंधान एवं विकास और डिजिटल बुनियादी ढांचे को लाभ मिल सकता है। भारत में बैठे इंजीनियर अमेरिकी कंपनियों के लिए वही काम कर सकते हैं जिसे करने के लिए पहले उन्हें अमेरिका भेजा जाता था। इस प्रकार संभावित ब्रेन ड्रेन का एक हिस्सा ब्रेन गेन या ब्रेन सकुर्लेशन में बदल सकता है।भारतीय आईटी कंपनियों के लिए तस्वीर मिश्रित है। टीसीएस ,इनफोसिस , विप्रो जैसी कंपनियां अमेरिकी बाजार में बड़े पैमाने पर सेवाएं देती हैं और उनके बिज़नेस मॉडल में अमेरिका में मौजूद विशेषज्ञ कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि ऑन-साइट एच -1बी नियुक्तियों की लागत अत्यधिक बढ़ती है, तो कंपनियों पर लागत और मार्जिन का दबाव आ सकता है। अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों के सामने भी यही दोधारी चुनौती होगी।गूगल, माइक्रोसॉफ्ट , एप्पल और अनेक अन्य कंपनियां वैश्विक प्रतिभा पर निर्भर हैं। यदि उच्च-कौशल विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करना महंगा और जटिल हो जाता है,तो अल्पकाल में अमेरिकी कंपनियों की भर्ती लागत बढ़ सकती है और प्रतिभा उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

साथियों, इस नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है एच -1बी नौकरी समाप्त होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की ग्रेस अवधि। वर्तमान नियमों के तहत पात्र एच -1बी कर्मचारियों को नौकरी समाप्त होने के बाद सामान्यतः अधिकतम 60 दिन या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि समाप्त होने तक, जो पहले हो, नई नौकरी खोजने, स्टेटस बदलने या अमेरिका छोड़ने की तैयारी का अवसर मिलता है। लेकिन डीएचएस ने इस सुविधा को समाप्त करने का प्रस्ताव भी आगे बढ़ाया है।6 अगस्त 2026 को इस प्रस्ताव को व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ इनफार्मेशन एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के पास समीक्षा के लिए भेजे जाने की रिपोर्ट है। अभी यह नियम समाप्त नहीं हुआ है।यदि भविष्य में यह प्रस्ताव अंतिम रूप से लागू होता है, तो इसका प्रभाव एच -1बी कर्मचारियों और उनके परिवारों पर अत्यंत गंभीर हो सकता है। आज नौकरी जाने के बाद कर्मचारी के पास नया नियोक्ता खोजने के लिए कुछ समय होता है; लेकिन यदि यह सुरक्षा हटा दी जाती है तो नौकरी समाप्त होते ही आव्रजन स्थिति को लेकर अनिश्चितता तेजी से बढ़ सकती है। इससे विशेष रूप से वे भारतीय पेशेवर प्रभावित होंगे जो अमेरिका में लंबे समय से कार्यरत हैं, ग्रीन कार्ड की लंबी कतार में हैं या परिवार सहित अमेरिका में जीवन स्थापित कर चुके हैं।जो एफ-1 विद्यार्थियों और ओपीटी कार्यक्रम को लेकर भी व्यापक नीति -सख्ती की चर्चा इस पूरे वातावरण को और जटिल बनाती है।तथा अमेरिका में पढ़ने वाला भारतीय विद्यार्थी सामान्यतः शिक्षा के बाद ओपीटी के माध्यम से व्यावहारिक कार्य-अनुभव प्राप्त कर सकता है और आगे चलकर एच -1बी के रास्ते पर जा सकता है।

साथियों, यहां भारत-अमेरिका संबंधों का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रश्न सामने आता है। एक तरफ अमेरिका भारत को चीन के मुकाबले महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार, इंडो-पैसिफिक में प्रमुख शक्ति और उन्नत तकनीक का महत्वपूर्ण भागीदार मानता है। दूसरी ओर यदि उसकी आव्रजन नीति भारतीय उच्च-कौशल प्रतिभा के लिए लगातार बाधाएं पैदा करती है, तो आर्थिक संबंधों में असंतुलन की धारणा पैदा हो सकती है। भारत इसे औपचारिक व्यापार शुल्क की तरह नहीं, लेकिन व्यापक आर्थिक दृष्टि से एक प्रकार की गैर-टैरिफ बाधा के रूप में देख सकता है, खासकर तब जब भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों की अमेरिकी बाजार में बड़ी भूमिका हो।हालांकि इसे तुरंत भारत-अमेरिका संबंधों में संकट कहना भी अतिशयोक्ति होगी। कूटनीति केवल एक नीति से नहीं चलती। रक्षा, सेमीकंडक्टर,एआई , अंतरिक्ष ऊर्जा, आतंकवाद-रोधी सहयोग व्यापार और हिंद- प्रशांत जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के साझा हित इतने व्यापक हैं कि एच -1बी विवाद को उसी व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखना आवश्यक है।हालिया कश्मीर घटनाक्रम भी बताता है कि वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संवाद का दायरा व्यापक बना हुआ है। अमेरिकी राजदूत का श्रीनगर जाना और वहां जम्मू- कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताना निश्चित रूप से एक उल्लेखनीय कूटनीतिक संकेत है, हालांकि इसे अमेरिकी विदेश नीति में पूर्ण औपचारिक बदलाव मानने में अभी सावधानी आवश्यक है।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत-अमेरिका संबंध आज दो समानांतर पटरी पर चल रहे हैं,रणनीतिक मित्रता और आव्रजन नीति की कठोरता। अमेरिका भारत के साथ तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाना चाहता है, लेकिन साथ ही ट्रंप प्रशासन अमेरिकी श्रम बाजार में विदेशी कर्मचारियों की भूमिका को सीमित करने और घरेलू रोजगार को प्राथमिकता देने अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर जोर दे रहा है। यही विरोधाभास आने वाले समय में दोनों देशों के आर्थिक संवाद की सबसे कठिन परीक्षा बन सकता है।

सद्गुरु महात्मा सुशील कुमार का मासिक महानिर्वाण दिवस श्रद्धा और साधना के साथ मनाया गया

गुरु माता माँ विजया की दिव्य उपस्थिति में इस्सयोगियों ने की साधना,भजन-कीर्तन और जनकल्याण कन्याण हेतु ब्रह्माण्ड साधना किया

विनोद तकियावाला,स्वतंत्र पत्रकार

गुरुग्राम , सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार का मासिक महानिर्वाण दिवस गुरु माता माँ विजया की दिव्य उपस्थिति में गुरुग्राम स्थित सुशांत लोक के ब्लॉक सामुदायिक केंद्र में श्रद्धा, भक्ति और दिव्य वातावरण में मनाया गया।आज के कार्यक्रम में दिल्ली/एन सी आर बड़ी संख्या में इस्सयोगियों ने उपस्थित होकर सद्गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की और जनकल्याण की कामना के साथ सामूहिक साधना की।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सचिव के. एस. वर्मा ने सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार एवं गुरु माता माँ विजया के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इसके बाद सद्गुरुदेव के आवाहन हेतु 10 मिनट की आवाहन साधना की गई।इसके उपरांत भजन-कीर्तन हुआ,जिसमें इस्सयोगियों ने भक्तिभाव से भाग लिया।विश्व एवं जनकल्याण के लिए लगभग आधे घंटे की सामूहिक साधना भी की गई।इस मौके पर इस्सयोगियों ने सद्गुरुदेव के प्रति अपने भाव और अनुभूतियाँ साझा किए।साधकों ने

कहा कि सद्गुरु द्वारा दिखाया गया साधना का दिव्य मार्ग जीवन को भीतर से बदलने और सकारात्मक चेतना से जोड़ने का मार्ग है।इस्सयोग की नियमित सुक्ष्म साधना से मन की चंचलता कम होती है और व्यक्ति संसार की मोह-माया से ऊपर उठकर अपने भीतर की शक्ति को पहचानने का प्रयास करता है।गुरु माता माँ विजया ने अपने आशीर्वचन में साफव साधना के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि आशीर्वाद दिया नहीं जाता,ग्रहण किया जाता है।मैने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर भी साधकों से यही कहा था कि गुरु के पास जाने और साधना में बैठने से साधक को शक्ति प्राप्त होती है।साधना के समय व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से दूर होकर अपने भीतर की चेतना से जुड़ता है।माता जी कहा कि साधकों को अपनी चेतना को सदैव सकारात्मक रखना चाहिए। जीवन के प्रत्येक कार्य में अपनी श्वासों पर ध्यान केंद्रित करने का अभ्यास किया जा सकता है। भोजन करते समय,स्नान करते समय अथवा दैनिक कार्य करते हुए भी अपनी श्वास के प्रति सजग रहना साधना की निरंतरता को बनाए रखने में सहायक होता है।गुरु माता ने साधकों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे साधना में बैठने का आह्वान करते हुए कहा कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों,साधना का क्रम नहीं टूटना चाहिए।उन्होंने कहा कि साधक जब साधना के पथ पर आगे बढ़ता है तो उसके भीतर का अज्ञान और नकारात्मकता पीछे छूटने लगती है।भगवान को अपने स्तर पर नीचे लाने के बजाय स्वयं को भगवान के निकट और ऊँचे आध्यात्मिक स्तर तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साधक को साधना का मार्ग दिया गया है। आज नहीं तो कल उसका फल अवश्य प्राप्त होगा।आवश्यकता केवल निरंतरता,विश्वास और गुरु के वचनों का पालन करने की है। गुरु मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं,उस मार्ग पर चलकर उसे जीवन में उतारने का कार्य साधक को स्वयं करना होता है।गुरु माता माँ विजया ने विद्यापति के संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु का काम मार्ग बता देना है, उस पर अमल साधक को स्वयं करना है।उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मांड चलायमान है और मनुष्य स्वयं चेतन सत्ता है।वह पराशक्ति से जुड़ा हुआ है।इसलिए जीवन में सदैव सकारात्मक विचारों को स्थान देना चाहिए और नकारात्मक सोच से बचना चाहिए।मालिक का काम साधक को वह देना है जिसकी उसे आवश्यकता है।साधक को अपने भीतर ऐसी स्थिति विकसित करनी चाहिए,जहाँ वह सहज और निष्काम भाव में रह सके। यह स्थिति धीरे-धीरे साधना के माध्यम से आपके जीवन में आती है।संसार नश्वर है,इसलिए मनुष्य को सांसारिक जीवन में रहते हुए अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए और साथ ही आध्यात्मिक साधना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।गुरु माता ने कहा कि साधना कोई एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित रहने वाली प्रक्रिया नहीं है।यह जीवन को अनुशासित करने और चेतना को परिष्कृत करने की निरंतर यात्रा है।साधक को परिस्थितियों से विचलित हुए बिना गुरु के बताए मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में इस्सयोगियों ने सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार के बताए साधना मार्ग पर निरंतर चलने तथा समाज और जनकल्याण के लिए अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प लिया। सामूहिक साधना और भजन-कीर्तन के साथ पूरा सामुदायिक केंद्र आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

हिंदी दैनिक समाचार पत्र
राष्ट्र जगत

महाकाल बेड़ा संघ की पदयात्रा संपन्न। ओम्कारेश्वर नर्मदा नदी से जल भरकर

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली, 22 अगस्त 2026। महाकाल बेड़ा संघ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन मास में 12अगस्त से बरेली नाथ नगरी से धार्मिक पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। संघ के सभी श्रद्धालु कावड़िए ओंकारेश्वर पहुंचे, जहां पवित्र नर्मदा नदी से जल भरकर पदयात्रा करते हुए उज्जैन पहुंचे।

उज्जैन में सभी कावड़ियों ने बाबा महाकाल का विधि-विधान से जलाभिषेक कर भगवान महाकाल का दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी कावड़िए सकुशल बरेली नाथ नगरी के लिए वापस लौटे।

अलीगढ़ में दशरथ करोतिया, सुनील, मुकुल द्वारा सभी कांवड़ियों का अलीगढ़ स्टेशन पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत सत्कार किया गया।

बरेली नाथ नगरी पहुंचने पर क्षेत्र के अनेको समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं ने महाकाल बेड़ा संघ के सभी कावड़ियों का पुष्पमाला पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया।

इस अवसर पर कावड़ियों ने अपनी आस्था, भक्ति, अनुशासन और एकजुटता का परिचय देते हुए बाबा महाकाल के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। संघ के सहयोगी अमरीश कठेरिया सोनू बाबू मनोज सक्सेना पप्पू गुप्ता राजू कश्यप,नवल किशोर, सर्वजीत सिंह, मुकेश, चंदन,रवि ,कावड़ियों ने यात्रा की सफलता के लिए भगवान महाकाल, सभी समाजसेवियों तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर संघ के महन्त पंडित अशोक जी,पोट्टीराम ज्ञानपाल सिंह प्रसिद्ध कठेरिया,सुनील शंखधार बिरजू यादव, प्रदीप कश्यप, सोवरन सिंह ,महेंद्र मौर्य,

जगत डायरी

श्री झूलेलाल चालीसा के विश्राम दिवस पर भक्ति और उल्लास का संगम, बहराणा साहब का दीप प्रज्वलन

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। सिंधु नगर स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में आयोजित भगवान श्री झूलेलाल जी के चालीसा पाठ के विश्राम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान बहराणा साहब के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया, जिसमें श्री झूलेलाल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप देवनानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश आयलानी सहित ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की।

इसके उपरांत आगरा से आई कंचन म्यूज़िकल ग्रुप ने अपनी मनमोहक एवं मधुर संगीत प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच उपस्थित संगत ने नृत्य एवं डांडिया का आनंद लेते हुए पूरे वातावरण को खुशियों और उत्साह से भर दिया।

कार्यक्रम में सुमन-राजगोपाल खट्टर, डॉ. विनोद पागरानी, जया-प्रमोद कारयानी, कविता-लेखराज मोटवानी, निधि-प्रदीप आडवाणी, गीता-हरीश परचानी, सविता ठाकवानी, पुष्पा ठाकवानी, रेखा वतवानी, मीना मलकानी, देवीदास कवलानी, अशोक निहलानी, कानपुर से पधारे कान्त-लक्ष्मणदास शादेजा, जुगल सुखानी, धर्मेश, हरीश (राजा), राजेश मूरजानी, घनश्याम गुरनानी, जीतू देवनानी, गिरधर खट्टर सहित अनेक श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंत में भगवान श्री झूलेलाल जी की आरती एवं भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप आयोजित भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम का आनंद लिया।

सिरौली थाना परिसर स्थित भोले बाबा मंदिर में हुआ भव्य भंडारा, रिमझिम बारिश में भी उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

राष्ट्र जगत संवाददाता

संवाददाता विवेक गुप्ता

सिरौली, बरेली। सिरौली नगर स्थित थाना परिसर के भोले बाबा मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के माहौल के बीच भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में उड़द, राजमा, कढ़ी और चावल सहित विभिन्न प्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसे श्रद्धालुओं ने बड़े प्रेम और आस्था के साथ ग्रहण किया।

भंडारे का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला मंत्री अतुल गुप्ता, समाजसेवी एवं किराना स्टोर संचालक प्रदीप गुप्ता, एडवोकेट अभय गुप्ता, जिगर गुप्ता, सुलभ गुप्ता, दिनेश गुप्ता एवं सचिन गुप्ता के सहयोग से कराया गया।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सौरभ खत्री, अनिल प्रजापति, जगतपाल प्रजापति, राजू पांडे, नितिन पांडे, कुलदीप देवल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे और श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया।

भंडारे के दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। खास बात यह रही कि रिमझिम बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं हुई। बड़ी संख्या में भक्त भोले बाबा के मंदिर पहुंचे और श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

बारिश की फुहारों के बीच भक्तों की लंबी कतार और भंडारे में उमड़ी भीड़ का नजारा देखते ही बन रहा था। आयोजकों एवं सहयोगियों द्वारा श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से प्रसाद वितरित कराया गया।

भक्तों ने भोले बाबा के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान हर-हर महादेव और भोले बाबा के जयकारों से

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर शानू काज़मी ने किया चिराग़ा, मुल्क की सलामती व तरक्की की दुआ

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता एवं अंजुमन ऑल इंडिया गुलदस्ता-ए-हैदरी मुस्लिम शिया समुदाय के मीडिया प्रभारी शानू काज़मी ने इमामबाड़ा मरहूम जुर्रियत हुसैन काज़मी, ज़खीरा पर अपने परिवार के साथ चिराग़ा किया। इस अवसर पर उन्होंने मुल्क की सलामती, अमन-चैन और तरक्की के लिए विशेष दुआ की।

इसके साथ ही शानू काज़मी ने शहर के विभिन्न स्थानों पर गायों को चारा खिलाकर सेवा का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि हज़रत मुहम्मद साहब (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने पूरी मानवता को प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया तथा हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में हर धर्म और समुदाय के लोग हज़रत मुहम्मद साहब का सम्मान करते हैं और हमारा देश आपसी भाईचारे व गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल है।

शानू काज़मी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है, जो सभी को साथ लेकर चलने की भावना रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब, विशेषकर बरेली की सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा, पूरे देश के लिए मिसाल है।

इस दौरान सफ़दर अली काज़मी, अज़ादार काज़मी, कुमेल हसन सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

सावन के चौथे सोमवार पर बरेली के नाथ मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

बरेली । सावन माह के चौथे सोमवार को बरेली की नाथ नगरी शिवभक्ति में सराबोर नजर आई। शहर के विभिन्न नाथ मंदिरों में लाखों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कछला घाट से पवित्र गंगाजल लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं ने त्रिबटी नाथ, धोपेश्वरनाथ, अलखनाथ, मढ़ीनाथ सहित विभिन्न नाथ मंदिरों में भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन कर भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास किया।इसी क्रम में बानखाना चौराहा स्थित महामाया मंदिर से 23 अगस्त 2026 को कछला घाट के लिए रवाना हुए शिवभक्तों के जत्थे ने पवित्र गंगाजल भरकर सोमवार को बाबा त्रिबटी मंदिर में जलाभिषेक किया। भक्तों ने पूरे मार्ग में शिवभक्ति के गीतों और जयघोषों के साथ अपनी यात्रा पूर्ण की।

अंतरिक्ष ज्ञान की परीक्षा में टीम-7 अव्वल, प्रस्तुतियों में कृष्णा पांडेय प्रथम

राष्ट्र जगत संवाददाता i

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आयोजित क्विज में विद्यार्थियों ने दिखाया अंतरिक्ष विज्ञान का ज्ञान

पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों में भी प्रतिभागियों ने दिखाई रचनात्मकता

बरेली: इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग की ओर से राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर 'भारत की अंतरिक्ष यात्रा: विकसित भारत की ओर 2047' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता और पावर प्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. उमेश गौतम एवं प्रतिकुलाधिपति पार्थ गौतम के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

क्विज प्रतियोगिता में टीम-7 ने प्रथम स्थान हासिल किया। टीम में प्रिया, रोहित, रजत, अभय और दिव्यांश शामिल रहे। टीम-4 की हिमांशी, खुशी, हरप्रीत, गौरव और सुदेश ने द्वितीय तथा टीम-3 के अभ्युदय, तन्वी, अम्बे, साहिल और इशिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पावर प्वाइंट प्रस्तुति में बीएससी ऑनर्स मैथ्स से तृतीय सेमेस्टर के कृष्णा पांडेय प्रथम, बीएससी ऑनर्स से पंचम सेमेस्टर के हिमांशु सिंह एवं कृति द्वितीय तथा बीएससी जेडबीसी से पंचम सेमेस्टर की सौम्या रस्तोगी तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाईडीएस आर्या, एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभागीय डीन प्रो. पीपी सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. सुचिता गुप्ता सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ऋषभ शर्मा रहें।

परिचय 2026' में गूंजा सफलता का मंत्र सोनू शर्मा ने कहा-समय को साधिए,

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में 'परिचय 2026' ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत उत्साह और ऊर्जा के साथ हुआ। प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं उद्यमी सोनू शर्मा ने विद्यार्थियों को सफलता की राह दिखाते हुए समय प्रबंधन, सही संगति और आत्म-विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के शुरुआती पांच वर्षों को 'प्राइम टाइम' बताते हुए कहा कि इसी दौर में बनाई गई आदतें और तय की गई प्राथमिकताएं भविष्य की दिशा तय करती हैं।

कुलाधिपति डॉ. उमेश गौतम ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, मूल्यों और उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रति-कुलाधिपति पार्थ गौतम ने विद्यार्थियों को कॉलेज जीवन में अनुशासन, निरंतर सीखने और अपने कौशल को विकसित करने पर जोर देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सोनू शर्मा ने सफलता के लिए समय प्रबंधन, सही संगति, आत्म-विकास

बरेली में पहला खुला मेव मीड वाइन शॉप , प्राकृतिक हनी-बेस्ड वाइन का विशेष

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली । शहर में प्रीमियम एवं प्राकृतिक रूप से तैयार उत्पादों के क्षेत्र में एक नई शुरुआत हुई ह्न

मेव मीड वाइन शॉप का भव्य उद्घाटन शनिवार को किया गया ह्न यह रिटेल वेंचर बरेली के 100 फीटा रोड, पीलीभीत बाईपास पर शुरू हुआ है।

शॉप में ग्लूटेन-फ्री एवं प्राकृतिक रूप से फर्मेंटेड हनी-बेस्ड वाइन की विशेष रेंज उपलब्ध कराई जाएगी। इन उत्पादों को प्राकृतिक स्थानीय फलों जैसे

शहतूत , आम , केला और

जामुन से तैयार किए जाने की जानकारी दी गई है।

आयोजकों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को प्राकृतिक फलों से तैयार विशिष्ट उत्पादों का एक नया विकल्प उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि कार्तिकेय पटेल , माधवेन्द्र देव सिंह , एवं आलोक वर्मा वी 5 लाइसेंस होल्डर उपस्थित रहे।

शान-ओ-शौकत से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। पैगम्बर-ए-इस्लाम की 1501 वे यौमे पैदाईश का जश्न अपनी पूरी शान-ओ-शौकत के साथ अपने रिवायती अंदाज में अंजुमन खुद्दामें रसूल के तत्वाधान में दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान(सुब्हानी) व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी (अहसन मियां) की क़यादत में निकला। जुलूस से पूर्व दरगाह प्रमुख हज़रत सुब्हानी मियां के घर और कोहाड़पीर जुलूस मंच पर उलेमा ने नबी ए करीम की तालीमात और ज़िंदगी पर रौशनी डाली।

कायदे जुलूस हज़रत सुब्हानी मियां ने सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां को और मुफ्ती अहसन मियां ने सुबुर रज़ा को परचम-ए-रिसालत शाम 5.30 बजे सौपकर जुलूस रवाना किया। जुलूस अपने कदीमी रास्तों कोहाड़ापीर से कुतुबखाना,ज़िला अस्पताल,कुमार सिनेमा,कोतवाली के रास्ते दरगाह हज़रत पहलवान मियां पहुंचा यहां सलामी देने के बाद नावेल्टी चौराहा होते राजकीय इंटर कॉलेज,खलील तिराहा, करोलान,बिहारीपुर ढाल होता हुआ देर रात दरगाह आला हज़रत पहुंचकर खत्म हुआ। जुलूस का रास्तो में हिंदू मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों ने जगह-जगह फूलों से इस्तकबाल किया। रंग-बिरंगी पोशाक पगड़ी व जुब्बा पहने लोग अंजुमन की शक्ल में सरकार की आमद मरहबा-दिलदार की आमद मरहबा,खुशियां मनाओ सरकार आ गए आदि नारों के साथ चले। सबसे आगे परतापुर जीवन सहाय की अंजुमन रज़ा-ए-मुस्तफा व रेलवे जंक्शन की अंजुमन अनवारे मुस्तफा चली।

जुलूस शुरू होने से पहले स्टेज पर तिलावत-ए-कुरान से आगाज़ मुफ्ती ज़ईम रज़ा ने किया। नात-ओ-मनकबत का नज़राना पेश किया। मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने अपनी तक़रीर में कहा कि हमारे नबी ने अगड़े-पिछड़ों,ऊंच-नीच,काले व गोरे का भेदभाव को खत्म कर सबको बराबरी का दर्जा दिया। जुल्म के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। दुनियावालो को अमन-शांति का पैगाम दिया। आगे कहा कि ये जुलूस नबीरे आला हज़रत हुज़ूर रेहान-ए-मिल्लत की देन है। मुफ्ती अय्यूब खान नूरी,मुफ्ती जमील ने भी खिताब किया। खुसूसी दुआ मुफ्ती आकिल रजवी ने की। हज़रत सुब्हानी मियां व मुफ़्ती अहसन मियां व सय्यद आसिफ मियां व सभी अंजुमनों के सदर का स्टेज पर पहुँचने के बाद अंजुमन खुद्दामें रसूल के सचिव शान अहमद रज़ा ने दस्तारबंदी कर फूलों से इस्तकबाल किया। अंजुमन खुद्दामे रसूल के सदर सय्यद आसिफ मियां ने जुलूस की व्यवस्था संभालने वालों की दस्तारबंदी कर स्मृति चिन्ह दिया। बाद में मिठाई व लंगर बाटा गया।

नासिर कुरैशी ने बताया कि जुलूस में मुख्य रूप से अंजुमन अनवारे मुस्तफ़ा,अंजुमन ग़ौसुल वरा,अंजुमन आशिकाने रज़ा, अंजुमन जानिसारने रसूल,अंजुम कुर्बान-ए-रसूल,अंजुमन रज़ा-ए-मिल्लत,अंजुमन फैजुल कुरान शामिल रही।

जुलूस की व्यवस्था राशिद अली खान,हाजी जावेद खान,अजमल नूरी,ताहिर अल्वी,शाहिद नूरी,परवेज़ नूरी,औररंगज़ेब नूरी,शारिक बरकाती,तारिक सईद,आलेनबी,नईम नूरी,इशरत नूरी,आसिम रज़ा, हाजी राशिद हुसैन,सय्यद माजिद,मंजूर रज़ा,मुजाहिद रज़ा,युनुस गद्दी,मोहसिन रज़ा,काशिफ सुब्हानी,मुस्तकीम नूरी,इरशाद रज़ा,साजिद नूरी,सय्यद एजाज़,फारूक खान,नईम नूरी,अशमीर रज़ा,युनुस साबरी,मोहम्मद आसिफ,सुहैल रज़ा,गौहर खान आदि ने संभाली।

जुलूस सकुशल सम्पन्न होने के बाद अंजुमन खुद्दाम रसूल के सदर सय्यद आसिफ मियां व सेकेट्री शान रज़ा ने सभी जिला प्रशासन समेत सभी का शुक्रिया अदा किया।

सिरौली के अंजनी गांव से हरिद्वार गए 24 कांवड़िए लौटे, जय मां दुर्गा ढाबे पर हुआ भव्य स्वागत

राष्ट्र जगत संवाददाता

सिरौली। बरेली जनपद के सिरौली नगर क्षेत्र के ग्राम अंजनी से 15 अगस्त को भगवान भोलेनाथ की भक्ति में 24 कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार के लिए रवाना हुआ था। कांवड़ियों के रवाना होने के दौरान पूरे गांव में भोले बाबा के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा।हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे जत्थे का 23 अगस्त को जय मां दुर्गा ढाबे पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं हिंदू हेल्पलाइन के जिला अध्यक्ष द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान कांवड़ियों के लिए चाय, पकौड़ी और कोल्ड ड्रिंक की व्यवस्था की गई। कांवड़ियों ने कुछ समय ढाबे पर विश्राम करने के बाद अपनी यात्रा आगे जारी रखी।बताया गया कि कांवड़ियों के जत्थे का रात्रि विश्राम डीआरएम स्कूल पर होगा। पूरी कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में प्रदीप पांडेय, प्रमोद पांडेय, रामशरण प्रजापति, पप्पू, अशोक पांडेय, भूपराम लोधी, राम सिंह, राजू पांडेय, वीरबल प्रजापति, रमेश आर्य,

बलिदान दिवस पर कैप्टन राहुल को किया सम्मानित पंकज अरोरा वीरता और बहादुरी की मिसाल थे

राष्ट्र जगत संवाददाता

बरेली। मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में बुधवार को डी.डी. पुरम शहीद स्मारक पर शहीद पंकज अरोरा के 23 वें बलिदान दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा हुई जिसमें कार्यक्रम क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा और अन्य वक्ताओं ने पंकज अरोरा के देश के लिए किये गए योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि 2003 में ऑपरेशन पराक्रम में लेफ्टिनेंट पंकज ने अपने अदम्य साहस वीरता का परिचय देते हुए मात्र 25 वर्ष की आयु में जम्मू कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में आतंकवादी विरोधी कार्यवाही के दौरान कई आतंकवादियों को ढेर कर दिया था लेकिन मुखबिरों की गलत सूचना के कारण वह वीरगति को प्राप्त हुए। वह वीरता और बहादुरी की मिसाल थे। उनकी याद को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए मानव सेवा क्लब ने कारगिल युद्ध में विजय पताका फहराने वाले राजपूत रेजीमेंट के कैप्टन राहुल को बारहवाँ पंकज अरोरा वीरता सम्मान प्रदान किया । उन्हें यह सम्मान पंकज के पिता श्याम सुंदर अरोरा,माता प्रेम लता क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा, महासचिव मुकेश कुमार सक्सेना,जसवंत सिंह भाकुनी ने दिया।कर्नल पंकज अग्रवाल,इं. के.बी.अग्रवाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सक्सेना,अरुणा सिन्हा, प्रकाश चंद्र सक्सेना,अभय सिंह भटनागर,मंजू लता,जी.एस. मेहरा,प्रदीप माधवार, सत्येन्द्र सक्सेना, रीता शर्मा,कैप्टन राम लाल,जितेन्द्र सक्सेना, इन्द्रदेव त्रिवेदी, निर्भय सक्सेना, गंगा राम पाल, अखिलेश कुमार,अनिल सक्सेना,शोभा सक्सेना, आर. एन. मेहरोत्रा, वी.के .कपूर, सुनील शर्मा,शांता भटनागर सहित एक्स सर्विस मेन एसोसिएशन के सदस्यों ने पंकज अरोरा को श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन और सभी का आभार सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने व्यक्त किया।

कजरी निरंजनपुर में खेत में भूसे के ढेर पर बैठा दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल क्षेत्र में फिर तेंदुए की दहशत

ब्यूरो चीफ राजकुमार श्रीवास्तव पीलीभीत

पीलीभीत पूरनपुर कजरी निरंजनपुर/ क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में एक बार फिर दहशत का माहौल है। खेत में भूसा भरने के लिए इस्तेमाल होने वाले गूंगे के ऊपर चढ़कर बैठे तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार वायरल वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद खेतों में काम करने वाले ग्रामीणों के साथ ही अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीणों का दावा है कि पिछले चार-पांच दिनों से ग्राम पंचायत कजरी निरंजनपुर और आसपास के क्षेत्र में तेंदुआ घूम रहा है। तेंदुए की चहलकदमी की सूचना वन विभाग को लगातार दी जा रही है। खेतों और आबादी के आसपास तेंदुआ दिखाई देने की बात से लोग अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं।क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता पहले भी सामने आ चुकी है। 31 जुलाई को एक तेंदुआ गौशाला में घुस गया था और वहां एक बछड़े का शिकार कर लिया था। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। वन विभाग की निगरानी और प्रयास के बाद 12 अगस्त को तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया था। इसके बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को अपने साथ ले गई थी। तेंदुआ पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी।अब क्षेत्र में फिर तेंदुए की दस्तक की बात सामने आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। वायरल वीडियो में तेंदुआ खेत में भूसा भरने वाले गूंगे के ऊपर बैठा दिखाई दे रहा है। हालांकि वीडियो की तारीख और उसमें दिखाई दे रहे तेंदुए की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि क्षेत्र में दूसरा तेंदुआ सक्रिय है तो उसे जल्द पकड़ना जरूरी है।बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल बंद कराने की मांगतेंदुए की मौजूदगी को लेकर कजरी निरंजनपुर निवासी यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने जिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, एसडीएम पूरनपुर और डीएफओ शाहजहांपुर को पत्र भेजा है। पत्र में बताया गया है कि पिछले कई दिनों से तेंदुआ गांव के आसपास घूम रहा है और इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है।पत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए तेंदुआ पकड़े जाने तक ग्राम पंचायत के आसपास के स्कूल बंद कराने की मांग की गई है। उनका कहना है कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। तेंदुए की मौजूदगी के बीच बच्चों को स्कूल भेजने में अभिभावक भय महसूस कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, तेंदुए की गतिविधियों की निगरानी करने और उसकी मौजूदगी की पुष्टि कर जल्द पकड़ने की मांग की है। साथ ही प्रशासन से स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है।31 जुलाई को गौशाला में बछड़े का शिकार, 12 अगस्त को तेंदुए का पिंजरे में कैद होना और अब दोबारा तेंदुए की चहलकदमी के दावे ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। फिलहाल ग्रामीणों में भय का माहौल है और सभी की नजर वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

ग्राम टांडा में अरे वफा के जुलूस का स्वागत, जगह-जगह पिलाया शरबत

राष्ट्र जगत संवाददाता

संवाददाता पुनीत गुप्ता

टांडा। ग्राम टांडा में अरे वफा के जुलूस के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं और जुलूस में शामिल लोगों के लिए जगह-जगह शरबत पिलाने की व्यवस्था की गई। जुलूस मस्जिद से शुरू होकर गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरा। इस दौरान ग्रामीणों ने उत्साह के साथ जुलूस का स्वागत किया और लोगों को शरबत पिलाकर सेवा की।

जुलूस के गांव में पहुंचने पर जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा शरबत की व्यवस्था की गई। गर्मी के बीच जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। वहीं, ग्रामवासियों ने जुलूस में शामिल लोगों पर फूल बरसाकर स्वागत किया। फूलों की वर्षा और स्वागत के दौरान लोगों में उत्साह देखने को मिला।

आयोजन के दौरान गांव में आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल दिखाई दिया। जुलूस के रास्ते में लोगों ने सेवा भाव के साथ अपनी सहभागिता निभाई। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य लोगों की सेवा करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का संदेश देना है।

शरबत पिलाने और जुलूस के स्वागत में आमिर सलमानी, फैसल मलिक, बहीद खां, इमरान सैफ, शुऐब खान, शहजान सैफी, शौहिल मलिक, शाने आलम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत करते हुए व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग किया।

ब्रह्मदेव महाराज स्थल पर कावड़ भक्तों को कराया भोजन

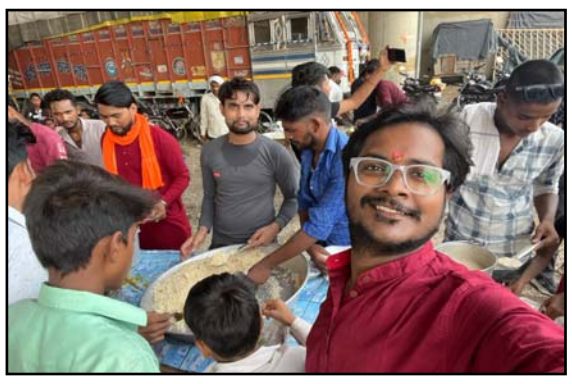

राष्ट्र जगत संवाददाता

दातागंज के पापड़ स्थित ब्रह्मदेव महाराज स्थल पर सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर कावड़ भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। ग्राम हासिमपुर निवासी नितिन, रणजीत, जयदेव, सचिन, सुधीर, राहुल, चित्रांश, शिवकुमार आदि के सहयोग से आयोजित इस भंडारे में कावड़ भक्तों को प्रसाद के रूप में भोजन कराया गया।

भंडारा सुबह करीब 11 बजे शुरू हुआ और शाम 4 बजे तक चला। भंडारे में खीर, पूड़ी, छोले और चावल प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। कावड़ भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और भंडारे का आनंद लिया।

आयोजकों ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार पर कावड़ भक्तों की सेवा करने के उद्देश्य से भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान सहयोग करने वाले सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई।

जोगराजपुर क्षेत्र में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, अमन और भाईचारे का दिया पैगाम

ब्यूरो चीफ राजकुमार श्रीवास्तव पीलीभीत

पूरनपुर, पीलीभीत। ईद-ए-मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर जोगराजपुर क्षेत्र में अकीदत, मोहब्बत और धार्मिक उत्साह के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में निकले जुलूसों में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और नातिया कलाम पढ़ते हुए पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब ? की शिक्षाओं को याद किया। जोगराजपुर, रायपुर, गोरा, धनेगा, बसुकपुर, केसरपुर कला, जादमपुर सहित क्षेत्र के कई गांवों में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से होता हुआ गांवों की प्रमुख गलियों और मार्गों से गुजरा। इस दौरान जगह-जगह धार्मिक नारों और नातिया कलामों की गूंज सुनाई देती रही।

जुलूस में शामिल लोगों ने आपसी प्रेम, सौहार्द, अमन और भाईचारे का संदेश दिया। वक्ताओं और धार्मिक अनुयायियों ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब ? की शिक्षाएं इंसानियत, प्रेम, भाईचारे और शांति का पैगाम देती हैं, जिन्हें अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

ईद-ए-मिलादुन्नबी के इस अवसर पर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। कई स्थानों पर जुलूस का स्वागत किया गया और लोगों ने श्रद्धा एवं सम्मान के साथ इसमें सहभागिता की।

क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जुलूस के मार्गों और प्रमुख स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिसकर्मी लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहे, जिससे सभी जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कुल मिलाकर जोगराजपुर क्षेत्र में ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी अकीदत, मोहब्बत और भाईचारे की मिसाल बन गया। प्रशासन और क्षेत्रवासियों के सहयोग से सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए।

स्त्री-विमर्श में तथ्यों और संदर्भ की जरूरत : शशांक शेखर त्रिपाठी

राष्ट्र जगत संवाददाता

वाराणसी। स्त्री सम्मान, स्वतंत्रता और समानता पर सार्थक बहस जरूरी है, लेकिन भारतीय परंपरा की आलोचना करते समय मूल ग्रंथ, संदर्भ और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना भी उतना ही आवश्यक है। यह कहना उचित नहीं कि भारतीय परंपरा में स्त्री को हमेशा हीन या निर्बल माना गया।

अधिवक्ता एवं भाजपा विधि प्रकोष्ठ, काशी क्षेत्र के संयोजक शशांक शेखर त्रिपाठी ने कहा कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' मनुस्मृति का श्लोक है, वेद-मंत्र नहीं। इसी प्रकार गार्गी, मैत्रेयी तथा लोपामुद्रा, घोषा, अपाला जैसी महिला ऋषियों की परंपरा भारतीय ज्ञान-विमर्श में स्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि सती जैसी सामाजिक कुरीतियों की आलोचना आवश्यक है, लेकिन उन्हें सीधे वैदिक आदेश बताना उचित नहीं। इसी तरह प्राचीन धर्मशास्त्रीय ग्रंथों के विवादित कथनों को पूरे भारतीय समाज का सार्वभौमिक सिद्धांत मानना भी तथ्यपरक नहीं है।

त्रिपाठी ने कहा कि आज भारत का सामाजिक और कानूनी जीवन संविधान एवं आधुनिक कानूनों से संचालित होता है। इसलिए न अंधसमर्थन उचित है और न अंधविरोध। 'ग्रंथ को पूरा पढ़िए, मूल स्रोत और पाठांतर देखिए, ऐतिहासिक कालक्रम समझिए और फिर निष्कर्ष निकालिए। भारतीय परंपरा का बचाव भी तथ्यों से और उसकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।'

तीज के रंग में रंगा टीचर्स क्लब का ग्रैंड तीज पार्टी 2026

राष्ट्र जगत संवाददाता

वाराणसी, टीचर्स क्लब के तत्वावधान में बुधवार को दि एलेगेंस होटल, डीएलडब्ल्यू में ग्रैंड तीज पार्टी 2026 का भव्य आयोजन किया गया। सावन के उल्लास और तीज की पारंपरिक खुशियों से सराबोर इस लेडीज ओनली कार्यक्रम में शिक्षिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी प्रीति सिंह रहीं। क्लब की फाउंडर छवि अग्रवाल के संयोजन में आयोजित समारोह में डीजे म्यूजिक, स्वादिष्ट व्यंजन, फन गेम्स, डांस परफॉर्मेंस और लकी सरप्राइज सहित विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे।

मनीषी श्रीवास्तव बनीं तीज क्वीन 2026

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। प्रतिभागियों ने शानदार नृत्य और रैंपवॉक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में मीना अग्रवाल, मुस्कान देवांशी और प्रिया श्रीवास्तव शामिल रहीं। निर्णायकों ने मनीषी श्रीवास्तव को तीज क्वीन 2026 चुना, जबकि दीप्ति कुशवाहा फर्स्ट रनर अप रहीं।

मनीषा रानी ने जीता सोलो डांस का प्रथम पुरस्कार

सोलो डांस प्रतियोगिता में मनीषा रानी ने प्रथम, राखी रानी ने द्वितीय और प्रिया गुप्ता ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अलावा महिलाओं के लिए ओपन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते।

कार्यक्रम का सफल संचालन दीपा सिंह ने किया। समापन अवसर पर क्लब की फाउंडर छवि अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।पूरे कार्यक्रम का वातावरण 'गुड वाइब्स, ग्रेट फ्रेंड्स, ब्यूटीफुल मेमोरीज' की थीम से सजा रहा और सावन-तीज की खुशियों के बीच महिलाओं ने जमकर उत्सव का आनंद लिया।

रामगोपाल वर्मा के नेतृत्व में सावन हरियाली महोत्सव में उमड़ा उत्साह

राष्ट्र जगत संवाददाता

वाराणसी। रामापुरा वार्ड-90 की ओर से बुधवार को लक्सा स्थित झूलेलाल मंदिर परिसर में सावन हरियाली महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। रामापुरा के पार्षद रामगोपाल वर्मा के नेतृत्व में आयोजित महोत्सव में सावन की हरियाली, भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की मनोहारी झलक देखने को मिली। क्षेत्रीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव रहे। अतिथियों ने सभी को सावन हरियाली महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया।सांस्कृतिक संध्या में भजन गायिका कंचन सिंह, पूर्वांचल के कलाकार सहाय सांवरिया तथा सूफी गायक अभिराज ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। भजन, लोकगीत और सूफी संगीत की प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोग झूम उठे और देर तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे।

महोत्सव के आयोजक एवं रामापुरा के पार्षद रामगोपाल वर्मा, संयोजक एवं मंडल मंत्री ज्योति प्रजापति तथा सहसंयोजक जितेंद्र आर्य रहे। आयोजन में श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल अध्यक्ष सोमनाथ यादव, पार्षद विजय द्विवेदी, चंद्रनाथ मुखर्जी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता विजय रस्तोगी, सीमा वर्मा, नामित पार्षद किशन कनोजिया एवं सत्यनारायण साहनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।महोत्सव के दौरान सावन की उमंग, हरियाली और लोक संस्कृति के रंगों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को जीवंत रखने वाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हिंदू देव प्रकाश शुक्ला की महत्वपूर्ण भेंट संगठन विस्तार

राष्ट्र जगत संवाददाता

नई दिल्ली राष्ट्रीय युवा वाहिनी एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महत्वपूर्ण एवं आत्मीय भेंट की। इस दौरान संगठन के विस्तार, राष्ट्रसेवा, सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा भारतीय वैदिक ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

भेंट के दौरान तेलंगाना के राज्यपाल एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। वरिष्ठ नेतृत्व की मौजूदगी में हुई इस मुलाकात को संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी अवसर बताया गया।

वार्ता में सनातन संस्कृति, भारतीय संस्कार, गुरुकुल शिक्षा, गौशाला व्यवस्था और गौसेवा को सुदृढ़ करने तथा युवाओं को भारतीय ज्ञान, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही प्राचीन वैदिक ज्ञान परंपरा को आधुनिक भारत की विकास यात्रा से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई।

हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि भारत की सनातन सांस्कृतिक विरासत, वैदिक ज्ञान, गुरुकुल परंपरा, गौसेवा और संस्कारों को मजबूत करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना संगठन का प्रमुख संकल्प है। उनका उद्देश्य ऐसे सशक्त, संस्कारित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना है, जिसकी विकास यात्रा अपनी गौरवशाली सभ्यता और सांस्कृतिक जड़ों से निरंतर जुड़ी रहे।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को केवल राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर

समुद्र के नीचे मिली दूसरी दुनिया, कभी यहीं दफनाए जाते थे लोग

समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ.

कुछ जगहें होती हैं, जहां जाने के बाद हमें उम्मीद होती है कि मिलेगा कुछ और लेकिन मिल कुछ अलग ही जाता है. फिर चाहे ये घर का कोई कोना हो या फिर समंदर के अंदर की गहराई हो. समुद्र में जाने वाले गोताखोरों को कभी कुछ अलग ही हाथ लग जाता है लेकिन इस बात की उम्मीद तो किसी को भी नहीं होती है कि उन्हें यहां एक दूसरी दुनिया का रास्ता दिख जाएगा. समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद लेक ओकीचोबी में एक अलग ही दुनिया की खोज हुई.

समंदर के नीचे कब्रों की दुनिया!

मई, 2023 में Dry Tortugas National Park की ओर से घोषणा की गई थी कि गार्डेन की के पास मौजूद आइलैंड में एक अस्पताल और कब्रिस्तान मिला था. उस वक्त वैज्ञानिकों ने बताया था कि ये ऐतिहासिक कब्रगाह है, जहां दर्जनों लोग दफनाए गए होंगे. अब आर्कियोलॉजिस्ट जोश मरानो ने कहा है कि ये कब्रिस्तान सिर्फ ज़मीन के ऊपर ही नहीं बल्कि पानी के अंदर गहराई में भी मौजूद है. झील की गहराई में बहुत सी ऐसी कहानियां और रहस्य हर साल मिलते हैं, जो इस जगह को और भी रहस्यमयी और खौफनाक बना देते हैं. चूंकि यहां पर कब्रें हैं, ऐसे में इसे भूतिया भी माना जाता है.

आखिर किसकी हैं ये कब्रें

पुरातत्व एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ये कब्रें कुख्यात कैदियों की हो सकती हैं, जिनकी कहानियां जानने के लिए कोशिश की जा रही है. जोश मरानो का कहना है कि ये कब्रें अमेरिकन सिपाहियों की भी हो सकती हैं, जो फोर्ट जेफरसन में तैनात रहे हों. वहीं अस्पताल में 1890-1900 के बीच यलो फीवर के मरीज़ों का ट्रीटमेंट होता था. ये वही जगह है, जिसे अमेरिकन सिविल वॉर के वक्त कैदियों को रखने के लिए इस्तेमाल किया गया था. ऐसे में ये जगह उनके टॉर्चर और दर्दनाक मौत की भी कहानियां समेटे हुए है.

एक रहस्य बना साधारण सा दिखता है ये पुल

सुंदर और छोटा सा यह पुल देखने में बहुत ही अनोखा नहीं है. लेकिन फिर भी यह दुनिया के सबसे अजीब पुलों में से एक है. सबसे अजीब बात ये है कि यहां कुत्ते भी आकर आत्महत्या करते रहे हैं. ऐसा क्यों होता है यह आज तक रहस्य बना हुआ है.

आपने दुनिया के खतरनाक पुलों के बारे में सुना होगा लेकिन एक पुल किसी कोने से खतरनाक नहीं दिखता है. साधारण सा होने के बाद भी यह अपने आप में कम आकर्षक नहीं है. फिर भी स्कॉटलैंड रका ओवरटाउन ब्रिज, एक अजीब सी वजह के लिए मशहूर है. यहां कुत्ते आत्महत्या करते रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि इसका सटीक कारण पता नहीं है. ओवरटाउन ब्रिज 1895 में बना था. 15 मीटर का गोथिक स्टाइल का यह पुल खुरदर एशलर के पत्थरों से बना है. इसमें तीन मेहराब हैं जो एक खड़ी घाटी को दो किनारों को जोड़ते हैं. एक बीच का मेहराब बड़ा है जिसके दोनों ओर दो निचले और छोटे मेहराब हैं. प्राकृतिक पेड़ पौधों के बीच यह बीच खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है. लेकिन इसकी चर्चा कुत्तों की वजह से अधिक होती है.

1859 में, ओवरटाउन फार्म को स्कॉटिश उद्योगपति जेम्स व्हाइट ने खरीदा. 1884 में व्हाइट की मौत के बाद उनके बेटे, जॉन कैंपबेल व्हाइट को घर और उसकी संपत्ति विरासत में मिली और उन्होंने घर के ड्राइववे को एक गहरी खाई में विस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया ताकि आसान पहुंच मिल सके. उन्होंने एक पुल का डिजाइन बनाने के लिए लैंडस्केप आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर हेनरी मिलनर को काम पर रखा.

इस पुल के निर्माण के बाद से अब तक 600 से ज्यादा आत्महत्याओं का इतिहास रहा है. इससे भी ज्यादा डरावना यह है कि पिछले कई दशकों में 50 से ज्यादा कुत्ते इस पुल से कूदकर अपनी जान दे चुके हैं, जिससे जानवरों की आत्महत्या की संभावना पर सवाल उठते हैं.

इस बात का कोई सबूत नहीं मिले है कि पुल पर किसी अलौकिक शक्ति का वास या किसी भूत प्रेत

का साया है, लेकिन ओवरटाउन की श्वेत महिला की किंवदंती अभी भी कायम है. लेकिन कुत्तों की आत्महत्या के पीछे एक कारण यह बताया जाता है कि पुल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मिंक की गंध कुत्तों को कूदने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन कुत्तों के यूं मरने का एक ही कारण नहीं बताया जाता है. एक अन्य सिद्धांत यह सुझाव देता है कि कुत्ते किसी तरह की अदृश्य उपस्थिति से डर जाते हैं. यह कोई ऐसी ध्वनि या कंपन है जिसे इंसान नहीं समझ सकते. वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की रेलिंग के कारण कुत्ते अपनी छलांग का गलत अनुमान लगा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है. कई वैज्ञानिक अध्ययनों और जांचों के बावजूद, ओवरटाउन ब्रिज पर कुत्तों की आत्महत्या का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है.

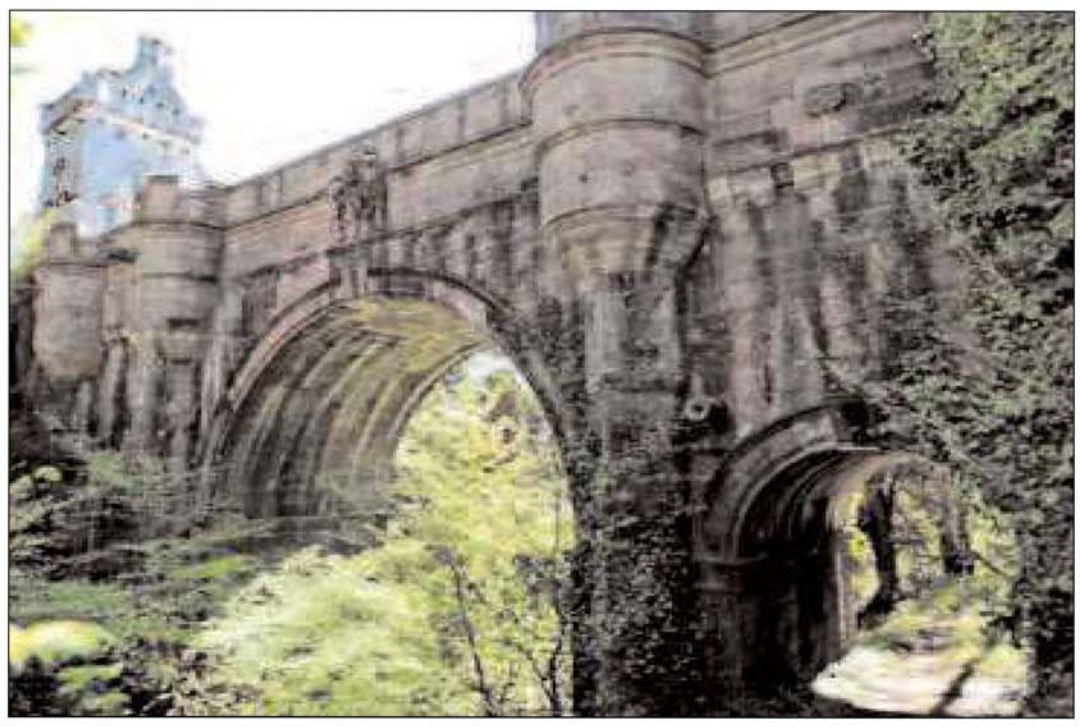

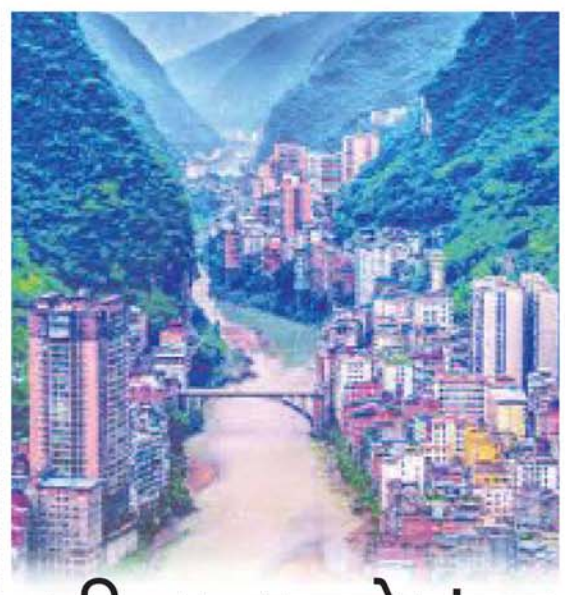

दुनिया का सबसे संकरा शहर है यांजिन

क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जिसे सबसे संकरा माना जाता है? वो शहर न सिर्फ नदी के दोनों किनारों पर बसा है, बल्कि पहाड़ों के बीचों-बीच है. वहां से बाहर निकलने का सिर्फ एक रास्ता है. देखने में ये जितना खूबसूरत लगेगा, उतना ही ज्यादा डरावना भी लग सकता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे संकरा माना जाता हो? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने वालों का कलेजा कांप उठेगा. हर पल कंपकंपी होगी. ऐसा इसलिए क्योंकि यह शहर पहाड़ों के बीचों-बीच बहने वाली एक नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ है. इस वजह से इसे सबसे संकरा शहर का दर्जा भी मिला है. लेकिन ये शहर भी कोई छोटा-मोटा नहीं है, बल्कि यहां 5 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है. इस शहर का नाम यांजिन है, जो पहाड़ों के बीच बहने वाली नांक्सी नदी के दोनों मुहानों पर बसा है. यांजिन सिटी, चीन का एक प्रमुख शहर है. चीन के युनान प्रांत में बसे इस शहर को दुनिया का सबसे संकरा शहर माना गया है. पहली बार में इस शहर को देखने पर यकीन करना भी मुश्किल हो जाता है कि वाकई में कोई ऐसा शहर इस धरती पर मौजूद है. हालांकि, पहाड़ों से इस शहर की खूबसूरती देखना वाकई में अद्भुत है. ये किसी फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा लगेगा. लेकिन आपको बता दें कि देखने में भले ही ये बेहद खूबसूरत लगे, लेकिन ऐसी परिस्थिति में रहना आसान नहीं है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर का सबसे संकरा इलाका 30 मीटर, जबकि सबसे फैला हुआ इलाका 300 मीटर चौड़ा है. नदी के दोनों किनारों पर एक-एक रोड है, जिससे होकर यहां के लोग बाहर निकलते हैं. वहीं, टूरिस्ट भी इन सड़कों से होकर ही इस शहर के अंदर प्रवेश करते हैं. नदी की वजह से ये सड़कें कई किलोमीटर लंबी हैं. उनके किनारे घर बने हुए हैं, लेकिन पुलों की संख्या कम है. लेकिन पहाड़ों के बीच बसे इस शहर में जाने के दौरान ज्यादातर लोगों की हालत खराब हो सकती है. बाढ़ से बचाने के लिए नदी किनारे के बिल्डिंग्स को खंभों के सहारे बनाया गया है, ताकि बाढ़ का पानी उसके नीचे ही रहे. अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी मुश्किलों के बीच लोग क्यों रहते हैं? तो बता दें कि यहां पर रहने वाले ज्यादातर लोगों की कई पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं. ऐसे में वो इस शहर को छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं.

अमेजन नदी में पाई जाती हैं पिंक रिवर डॉल्फिन

पिंक रिवर डॉल्फिन अमेजन नदी में पाई जाने वाली साफ पानी की सबसे बड़ी डॉल्फिन होती हैं. कई खासियातों से भरपूर ये बहुत बुद्धिमान होती हैं और अपने गुलाबी रंग के अलावा आंख खोल कर सोने के लिए मशहूर होती हैं. ये इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, बल्कि उनके साथ खेलती भी है, फिर भी इन्हें अकेलापन पसंद होता है. डॉल्फिन को बिना किसी विवाद के दुनिया के सबसे सुंदर जानवरों में शुमार किया जाता है. ये ना केवल दिमाग की बहुत तेज होती हैं. बल्कि की मामलों में इंसानों को भी समझ सकती हैं. वैज्ञानिक मानते हैं की इनसें बातचीत भी की जा सकती है. लेकिन कम लोग जानते हैं कि इनकी एक अनोखी प्रजाति भी होती है. गुलाबी डॉल्फिन नदियों में मिलने वाली डॉल्फिनों अलग ही स्थान रखती हैं. अमेजॉन पिंक रिवर डॉल्फिन को बोटो या बुफियो या अमेजॉन रिवर डॉल्फिन भी कहा जाता है. केवल साफ पानी में मिलती हैं. ये शर्मीली जीव मानी जाती हैं, स्थानीय बच्चों के साथ उत्सुकता से खेलती हैं, और आक्रामक व्यवहार नहीं दिखाती हैं. इन्हें अकेलापन खास तौर से पसंद है. पिंक रिवर डॉल्फिन पाँच मीठे पानी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी और सबसे बुद्धिमान है. एक पूर्ण विकसित डॉल्फिन 2.7 मीटर तक लंबी हो सकती है, इसका वजन 181 किलोग्राम तक हो सकता है और यह 30 साल तक जीवित रह सकती है. उनके पास असामान्य रूप से बड़ा मस्तिष्क भी होता है, जिसमें मनुष्यों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक मस्तिष्क क्षमता होती है! पिंक रिवर डॉल्फिन अपने गुलाबी रंग के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन वे इस तरह से पैदा नहीं हुए थे. डॉल्फिन वास्तव में भूरे रंग के होते हैं और उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे गुलाबी हो जाते हैं. नर डॉल्फिन मादाओं से ज्यादा गुलाबी होते हैं. और मादाएं इस रंग के प्रति आकर्षित भी ज्यादा होती हैं. गुलाबी नदी डॉल्फ़िन बहुत फुर्तीली होती हैं. उनकी गर्दन और रीढ़ का नाता दूसरी डॉल्फिन से काफी अलग होता है. वे अपने सिर को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ सकती है. इस कारण वे जबर्दस्त पैंतरेबाजी कर सकती हैं. वे एक फ्लिपर के पिंक रिवर डॉल्फिन कई दक्षिण अमेरिकी लोककथाओं का विषय है, लेकिन सभी परोपकारी नहीं हैं. ऐसी ही एक किंवदंती का दावा है है कि यदि आप अकेले तैरने जाते हैं, तो डॉल्फिन आपको एक जादुई पानी के नीचे के शहर में ले जा सकती हैं, जिसके कारण स्थानीय लोगों में शाम और भोर के बीच पानी के पास जाने या अकेले जल निकायों में प्रवेश करने का डर है. डॉल्फिन को नुकसान पहुंचाना अपशकुन माना जाता है, और उन्हें खाना और भी बुरा माना जाता है. शरीर से लचीली और दिमाग से तेज होने के बावजूद पिंक रिवर डॉल्फिन दूसरी डॉल्फिन की तुलना में धीमी गति से तैरती हैं. वयस्क गुलाबी नदी डॉल्फ़िन आम तौर पर 8-13 किमी प्रति घंटा की गति से तैरती हैं, कभी-कभी छोटी दूरी पर 24 किमी प्रति घंटा तक की गति से तैरती हैं.

पुलकित सम्राट को पहचानना हुआ मुश्किल इस वजह से घटा ढाई किलो वजन

पुलकित सम्राट ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पुलकित इतने बदले हुए नजर आए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। इस स्टोरी के जरिए पुलकित ने फैंस को बताया कि वो इ दिनों बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। जानिए पुलकित ने और क्या कहा?

स्टोरी में क्या बोले पुलकित

एक्टर ने बताया कि वो बीते कुछ दिनों से मलेरिया से पीड़ित हैं। अभिनेता ने बताया कि इस बीमारी की वजह से उनका वजन कम हो गया है। पुलकित ने तस्वीर शेयर कर जानकारी दी कि बीते कुछ दिनों में उनका ढाई किलो वजन कम हो गया। हालांकि, अभिनेता ने पॉजिटिविटी पर बात करते हुए कहा कि वह अपना वजन फिर से बैलेंस कर लेंगे। इसके साथ ही पुलकित ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें वह बेहद कमजोर नजर आ रहे हैं। कुछ समय पहले इंटरव्यू में पुलकित ने सलमान खान को लेकर जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अपनी पहली फिल्म की रिलीज के वक्त हर नए कलाकार की तरह वह भी घबराए हुए थे, लेकिन तब सलमान खान की बातों ने स्टारडम के प्रति उनका नजरिया बदल दिया था।

पुलकित का वर्कफ्रंट

पुलकित को आखिरी बार नेटफ्लिक्स सीरीज 'ग्लोरी' में देखा गया था। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा के निर्देशन में बनी इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में दिव्येंदु और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में थे। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही अच्छे रिव्यू मिले। दूसरी तरफ उनकी आखिरी फिल्म 'राहु -केतु' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

टॉक्सिक के किरदार नादिया को कियारा ने बताया मुश्किल

यश की फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में कियारा आडवाणी ने नादिया का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर अपने किरदार से जुड़े अनुभव साझा किए हैं।

कियारा के लिए फिल्म 'टॉक्सिक' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म है। इस फिल्म में नादिया का किरदार निभाने और उसकी मांग पर कियारा ने काफी कुछ लगा। एक्ट्रेस ने लिखा फिल्में हमें उस दुनिया में ले जाने का एक खूबसूरत तरीका होती हैं जिनमें हम असलियत में नहीं जा सकते। हर नया किरदार, हर नया सेट, हर चुनौती आपको कुछ ऐसा सिखाती है। आपकी क्षमताओं के बारे में बताती है। इस किरदार ने मुझे अपरिचित और मुश्किल चीजों के साथ भी सहज होना सिखाया। नया किरदार आपको नए कौशल, नए रोमांच और उस जुनून के लिए जो आपको बार-बार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे लिए ग्रोथ का मतलब हमेशा उस काम के लिए हामी भरना है जिसे करने से आपको थोड़ा डर लगे। यह किरदार नई स्किल्स, नए एडवेंचर्स और उस जुनून के नाम, जो आपको बार-बार नई चीजों में डूबने के लिए तैयार रखता है।

फिल्म 'टॉक्सिक' के वक्त प्रेगनेंट थीं कियारा

फिल्म से जुड़े एक इवेंट में अभिनेता यश ने कियारा की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा, 'मेरा यह सोचना है कि कियारा एक बेहद पेशेवर अभिनेत्री हैं। जब वह इस फिल्म के लिए कास्ट हुई थीं तो मैं काफी चिंतित था, क्योंकि यह फिल्म काफी चुनौतीपूर्ण है पर कियारा ने जिस तरह फिल्म के लिए खुद को समर्पित किया है। वह देखना बेहद शानदार रहा।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे ग्लोबली कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है।

एटली ने द ओडिसी को बताया ज़बरदस्त एपिक फिल्म, कहानी, विजुअल्स और संगीत की जमकर तारीफ

फिल्ममेकर एटली ने 'द ओडिसी' की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बताया है, जो सामान्य फिल्मों से कहीं आगे जाता है। एटली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट शेयर करते हुए क्रिस्टोफर नोलन की कहानी कहने की शैली, फिल्म के विजुअल्स, सिनेमैटोग्राफी और लुडविग गोरानसन के संगीत की प्रशंसा की है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए एटली ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'कुछ फिल्में आप देखते हैं। कुछ फिल्मों की आप तारीफ करते हैं। और फिर, बहुत कम ऐसी फिल्में होती हैं जो आपको पूरी तरह किसी दूसरी जगह ले जाती हैं। 'द ओडिसी' ने मेरे साथ यही किया।' उन्होंने नोलन की कहानी को 'अद्भुत' बताते हुए यह भी लिखा है कि फिल्म के विजुअल्स अपनी अलग भाषा बोलते हैं और कैमरा भी कहानी सुनाने वाले एक किरदार की तरह महसूस होता है। इसी के साथ लुडविग गोरानसन के संगीत की तारीफ में लिखा है कि यह संगीत सिर्फ फिल्म के साथ चलता नहीं है, बल्कि आपकी धड़कनों में उतर जाता है। एटली ने आगे यह भी लिखा है कि फिल्म में ऐसा एड्रेनालिन और इमर्सिव प्रभाव है, जैसा उन्होंने थिएटर में बहुत कम महसूस किया है। उन्होंने लिखा कि सबसे ज्यादा उनके साथ जो चीज रह गई, वह बेहद व्यक्तिगत थी, जब दर्शक पूरी तरह फिल्म के अनुभव में डूब जाता है, 'तभी एक सच्ची एपिक फिल्म बनती है। उन्होंने लिखा है, 'फिल्म को अपने चारों ओर घेरकर, अपने ऊपर हावी होने दें।

रोमांच बढ़ाएगी 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग', हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी निमिषा सजयन

सोमवार को अभिनेता बरुन सोबती की अगली फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की रिलीज डेट मेकर्स ने जारी की। यह एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा पर आधारित है। फिल्म एक हत्या के केस और उसकी तहकीकात से जुड़ी है। इसे 'पाताल लोक' के मेकर्स ने ही बनाया है।

क्या है 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की कहानी?

फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' में मुख्य किरदार बबीता सिंह नाम की एक एसआई का है, जिसके पास एक हत्या का केस आता है। इस दौरान उसका सामना कई रहस्यों और खतरों से होता है। फिल्म की कहानी एसआई के जीवन की मुश्किलों पर बात करती है। इस पूरे सफर में वह खुद की खोज भी करती है। फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' 28 अगस्त से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। एएसआई बबीता सिंह उर्फ बेबी का रोल निमिषा सजयन ने निभाया है। वहीं बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री होने पर शर्मिंदा किया जाता था, अनुपमा ने खोले एक्स के राज

इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन अपने व्यक्तिगत जीवन के लेकर चर्चाओं में हैं। अपने पुराने रिलेशनशिप और उससे जुड़े दर्द के बारे में अब वह खुलकर सामने आ रही हैं। उन्होंने अपने तकलीफ भरे रिश्ते के बारे में काफी कुछ बताया। जानें क्या कहा एक्ट्रेस ने...

बीते कई दिनों से एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने ध्यान वर्मा के यूट्यूब चैनल पर रिश्ते को लेकर कई खुलासा किये हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनके पार्टनर ने रिलेशनशिप के दौरान उनका उत्पीड़न किया। अनुपमा ने बताया एक समय मैं ग्यारह बच्चे पैदा करने का सपना देखती थी। मगर इस रिश्ते के बाद अब मैं बच्चे ही नहीं चाहतीं। मेरे बॉयफ्रेंड ने मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर उपलब्धियों के लेकर कई बार मुझे बहुत बुरा महसूस करवाया। इस रिश्ते ने मेरे निजी जीवन और करियर दोनों में लिए गए मेरे कई फैसलों को प्रभावित किया। मुझे कई बार एक महिला होने और यहां तक कि मेरे एक्टर होने पर भी शर्मिंदा महसूस कराया गया।

अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, ' पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन हो, दसवां दिन हो, पंद्रहवां दिन हो, बीसवां दिन हो, पच्चीसवां दिन हो, कोई भी दिन हो। अगर आप किसी व्यक्ति से उसकी गलती के बारे में पूछें, तो वो कहेगा- 'अरे, आपको पीएमएस हो रहा है, आपका पीरियड अभी आना बाकी है।' उसके ऐसा कहने पर मुझे बहुत शर्म आती थी। मुझे औरत होने पर बहुत बुरा लगता था। मुझे अपनी सारी उपलब्धियों पर ही बुरा लगने लगा था।'

'परधा' इंवेंट में रोने की वजह बताई

अगस्त 2025 में अनुपमा डायरेक्टर के साथ अपनी फिल्म 'परधा' का प्रमोशन कर रही थीं। प्रेस के साथ सवाल-जवाब के दौरान वह अचानक भावुक हो गई और रोने लगीं। उनकी टीम ने उन्हें शांत कराया और पानी दिया। जब पत्रकार उनसे बार-बार पूछने लगे कि वह इतनी भावुक क्यों हो रही हैं? तो अनुपमा ने बात को टालते हुए कहा था कि महिला-केंद्रित फिल्म को शूट करना और उसका प्रमोशन करना आसान नहीं था। अब हाल ही में उस घटना को याद करते हुए अनुपमा ने कहा, 'हालात कितने भी मुश्किल हों पर मैं मैं ऐसी नहीं हूं कि स्टेज पर ही रोने लगूं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुझे वो सबसे बुरी बातें कही गईं, जो कोई महिला सुनना नहीं चाहती। जिस इंसान को मेरी रक्षा करनी चाहिए थी, वही मुझे अंदर से तोड़ रहा था।'

'धुरंधर 2' के साथ क्लैश पर यश का बड़ा बयान 'टॉक्सिक' के पोस्टपोन पर भी बोले एक्टर

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रणवीर सिंह की 'धुरंधरः द रिवेंज' के साथ क्लैश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है।

फिल्म हुई बार-बार पोस्टपोन

फिल्म 'टॉक्सिक' पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो 'आप की अदालत' में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर खुलकर बात की।

100-200 करोड़ खोने का डर नहीं

यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाएगा। उनके लिए यह फैसला पैसे या अहंकार का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का था। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। एक्टर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर फिल्म को लेकर था। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद करेंगे।

कभी जानबूझकर किसी फिल्म से क्लैश नहीं किया

बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर यश ने यह भी साफ किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी दूसरी फिल्म के साथ अपनी फिल्म का क्लैश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'जो भी क्लैश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लैश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लैश हो जाता है।' यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। उन्होंने कहा, जिंदगी में मुझे खोने का कुछ है ही नहीं, तो मुझे डर है ही नहीं।'

बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये के नुकसान की बात पर भी यश ने इसे ज्यादा बड़ी चिंता नहीं माना। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल शून्य से की थी। आज उनके पास जो कुछ भी है, वह उनके लिए एक एक्स्ट्रा चीज है। फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

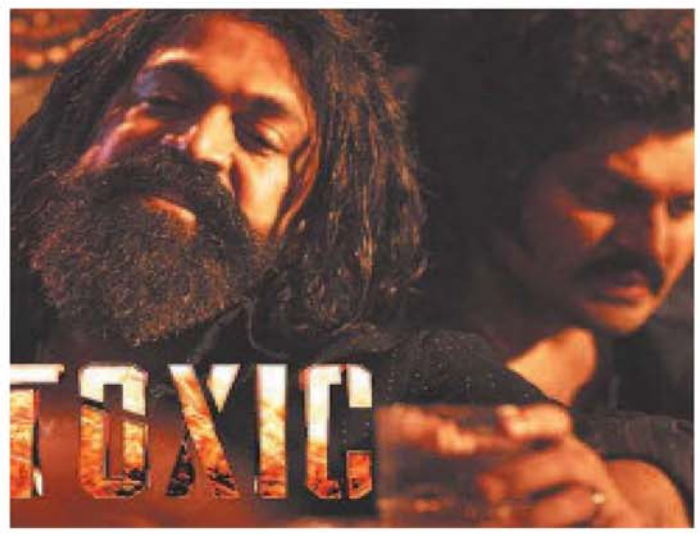

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बेजुबानों की सेवा में समर्पित -आकाश वेट्स हॉस्पिटल

AKASH VETS

शहर के गणमान्य लोगों ने भी डॉ. आकाश गंगवार के बेहतर कार्यों को सराहा

हमारी ओर से किए जा रहे काम आकाश वेट्स की ओर से समय-समय पर रेडियो एफएम व अन्य सेमिनार के माध्यम से रेबीज से बचाव व जागरूकता के संबंध में जानकारियां प्रदान कराते हैं। इसी क्रम में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से 2 बजे तक सभी प्रकार के वैक्सीनेशन, डिवर्मिंग, मेडिसिन एवं एंटी टिक ट्रीटमेंट निशुल्क प्रदान किये जाएंगे। इसके अतिरिक्त रैबीज, नसबंदी व अन्य बीमारियों से बचाव हेतु जागरूकता सेमिनार का भी स्क्रीन प्रेजेंटेशन किया जाएगा । शहर में लगभग 10 हजार पैट्स का निःशुल्क रेबीज वैक्सीनेशन किया जा चुका है।

आयोजक :
डॉ. आकाश गंगवार
(संस्थापक एवं निदेशक आकाश वेट्स् डॉग कैट मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल व डायग्नोस्टिक सेंटर)

हमारी सेवाएं:

- सभी प्रकार का ट्रीटमेंट
- अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे
- सभी प्रकार की सर्जरी
- ब्लड ट्रांसफ्यूजन
- पैथोलॉजी
- डायलिसिस
- IPD देखभाल
- C.T. Scan
- MRI

* प्रत्येक माह 30 व 1 तारीख को एंटी रैबीज टीकाकरण मुफ्त

पता : 100 फुटा रोड, निकट अशर्फी बैंकट हॉल, बरेली (उ.प्र.)
मो. 8650007775, 8650677577

स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक सौरभ शर्मा द्वारा हिंद प्रिंटिंग प्रेस लाला मार्केट के सामने बाबा भैरवनाथ मंदिर के सामने बरेली उत्तर प्रदेश 243001 से मुद्रित एवं कुसुम नगर ग्रीन पार्क बरेली से प्रकाशित ।
प्रधान संपादक सौरभ शर्मा RNI NO. : UPHIN/2024/90933 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों , लेखों का चयन एवं संपादन पीआरबी अधिनियम - 1868 की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायीं । न्यायिक क्षेत्र केवल बरेली मान्य होगा ।

RJYS
SOLAR SYSTEM
(A Unit of RJYS Group)
20+ YEARS OF TRUST & EXPERIENCE

आज ही अपने
घर में सोलर प्लांट
लगवाएँ!

पूरे उत्तर प्रदेश में
इंस्टॉलेशन सुविधा उपलब्ध

सरकारी सब्सिडी
का पूरा लाभ उठाएं

कीमत शुरू मात्र
₹60,000
प्रति किलोवॉट से

20 वर्षों का भरोसेमंद
इलेक्ट्रिकल अनुभव

उच्च गुणवत्ता वाली
इंस्टॉलेशन एवं सर्विस

एड. सौरभ शर्मा
M.Sc., B.Ed, LLB

Contact Now:
RJYS GROUP
7017533033

UPNEDA Registered
Govt. Approved Vendor
ISO 9001:2015
Certified Company

स्वच्छ ऊर्जा अपनाएँ, उज्जवल भविष्य बनाएं!